Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 354
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
सोमवार, 29 दिसम्बर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 207 सीटों पर बनी भाजपा-शिवसेना के बीच .... 4 अरावली पर्वतश्रृंखला पर जारी सियासत... 7 चौथा एशेज टेस्ट 2 दिन में खत्म होने पर ...

संक्षिप्त न्यूज

गृहमंत्री अमित शाह बोले- मलेरिया के मामलों में 97 फीसदी की गिरावट, जल्द बीमारी से मुक्त होगा भारत

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि भारत में मलेरिया के मामलों में 97 फीसदी की कमी आई है और देश जल्द ही इस बीमारी से मुक्त हो जाएगा। अहमदाबाद के शेला में आयोजित भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) के सम्मेलन को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि आयुष्मान भारत और मिशन इंद्रधनुष जैसी स्वास्थ्य योजनाओं की वजह से मलेरिया के मामलों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि डेंगू से होने वाली मौतों की दर घटकर केवल एक फीसदी रह गई है, जबकि मातृ मृत्यु दर में 25 फीसदी की कमी आई है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 में केंद्र सरकार का स्वास्थ्य बजट 37 हजार करोड़ रुपये था, जो अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बढ़कर 1.28 लाख करोड़ रुपये हो गया है। शाह ने कहा कि ये सभी उपलब्धियां तब संभव होती हैं, जब योजनाएं जमीनी स्तर पर सही तरीके से लागू की जाती हैं और इससे नागरिकों के स्वास्थ्य में अभूतपूर्व सुधार हुआ है।

गृहमंत्री अमित शाह ने डॉक्टरों से कहा कि उन्हें अपनी कोशिशों को सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं और बुनियादी ढांचे के साथ जोड़ना चाहिए, ताकि बेहतर नतीजे सामने आएं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश को स्वस्थ जनसंख्या की जरूरत है और इसमें डॉक्टरों व आईएमए की भूमिका पहले से कहीं अधिक अहम हो गई है।

उन्होंने कहा कि 2014 से केंद्र सरकार समग्र दृष्टिकोण के साथ एक मजबूत स्वास्थ्य तंत्र बनाने का प्रयास कर रही है। इसके तहत स्वच्छ भारत मिशन, आयुष्मान भारत, फिट इंडिया आंदोलन और खेलो इंडिया जैसे कार्यक्रमों पर फोकस किया गया है।

मन की बात में बोले पीएम मोदी

'ऑपरेशन सिंदूर हर भारतीय के लिए गर्व का प्रतीक बन गया'

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम के 129वें एपिसोड में देश को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने इस साल सेना का शौर्य बना ऑपरेशन सिंदूर, स्वतंत्रता सेनानी पार्वती गिरि, एंटीबायोटिक दवाओं, कश्मीर के बारामूला में मिले बौद्ध स्तूपों के अवशेष और देश में युवा की भागेदारी समेत कई अहम मुद्दों पर बातचीत की। पीएम मोदी ने कहा कि कुछ ही दिनों में साल 2026 दस्तक देने वाला है और इस दौरान पूरे एक साल की यादें मन में घूम रही हैं। 2025 ने ऐसे कई पल दिए, जिस पर हर भारतीय को गर्व हुआ। भारत ने हर जगह अपनी मजबूत छाप छोड़ी।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि हमारे देश की सबसे खूबसूरत बात ये है कि सालभर हर समय देश के किसी-ना-किसी हिस्से में उत्सव का माहौल रहता है । अलग-अलग पर्व-त्योहार तो हैं ही, साथ ही विभिन्न राज्यों के स्थानीय उत्सव भी आयोजित होते रहते हैं। यानि, अगर आप घूमने का मन बनाएं, तो हर समय, देश का कोई-ना-कोई कोना अपने उत्सव

के साथ तैयार मिलेगा।

स्वतंत्रता सेनानी पार्वती गिरि को किया याद

पीएम मोदी ने इस दौरान स्वतंत्रता सेनानी पार्वती गिरी को याद किया। उन्होंने कहा कि अगले महीने हम देश का 77वां गणतंत्र दिवस मनाएंगे। जब भी ऐसे अवसर आते हैं, तो हमारा मन स्वतंत्रता सेनानियों और संविधान निर्माताओं के प्रति कृतज्ञता के भाव से भर जाता है । हमारे देश ने आजादी पाने के लिए लंबा संघर्ष किया है। उन्होंने कहा कि आजादी के आंदोलन में देश के हर हिस्से के लोगों ने अपना योगदान दिया है । लेकिन, दुर्भाग्य से आजादी के अनेकों नायक-नायिकाओं को वो सम्मान नहीं मिला, जो उन्हें मिलना चाहिए था।

पीएम मोदी ने पार्वती गिरि को याद करते हुए कहा कि ऐसी ही एक स्वतंत्रता सेनानी हैं ओडिशा की पार्वती गिरि जी। जनवरी 2026 में उनकी जन्म-शताब्दी मनाई जाएगी । उन्होंने 16 वर्ष की आयु में 'भारत छोड़ो आंदोलन' में हिस्सा लिया था। साथियो, आजादी के आंदोलन के बाद पार्वती गिरि जी ने अपना जीवन समाज सेवा और जनजातीय कल्याण को समर्पित कर दिया था। उन्होंने कई अनाथालयों की स्थापना की। उनका प्रेरक जीवन हर पीढ़ी का मार्गदर्शन करता रहेगा।

एंटीबायोटिक दवाओं के सेवन को लेकर क्या बोले पीएम मोदी

मन की बात के इस साल के आखिरी कार्यक्रम में पीएम मोदी ने एंटीबायोटिक दवाओं के सेवन को लेकर अहम बातें की। उन्होंने कहा कि आईसीएमआर (इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च) ने हाल ही में एक जारी रिपोर्ट जारी की है । इसमें बताया गया है कि निमोनिया और यूटीआई जैसी कई बीमारियों के खिलाफ एंटीबायोटिक दवाएं कमजोर साबित हो रही हैं। हम सभी के लिए यह बहुत ही चिंताजनक है।

नयी परिभाषा से अरावली और अन्य छोटी पहाड़ियां नष्ट हो जाएंगी: जयराम रमेश

नई दिल्ली। अरावली पर्वतमाला को पुनः परिभाषित किए जाने को लेकर जारी विवाद के बीच कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव से रविवार को चार सवाल पूछे और दावा किया कि इस कदम से अरावली सहित कई छोटी पहाड़िया और अन्य भू आकृतियां नष्ट हो जाएंगी।

यादव को लिखे पत्र में कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अरावली पहाड़ियों की पुनर्परिको लेकर व्यापक चिंताएं होना स्वाभाविक है, क्योंकि इसके तहत इन्हें 100 मीटर या उससे अधिक की ऊंचाई वाले भू-आकृतियों तक सीमित कर दिया गया है।

उन्होंने कहा, "इस संदर्भ में कृपया मुझे आपके विचारार्थ चार विशिष्ट प्रश्न पूछने की अनुमति दें। पहला प्रश्न- क्या यह तथ्य नहीं है कि राजस्थान में 2012 से अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की परि28 अगस्त 2010 की भारतीय वन सर्वेक्षण की रिपोर्ट पर आधारित रही है, जिसमें निम्नलिखित बातें कही गई हैं: सभी इलाके जिनका ढलान तीन डिग्री या उससे अधिक है, उन्हें पहाड़ियों के रूप में निरूपित किया जाएगा।"

रमेश ने कहा, "इसके साथ ही ढलान की दिशा में एक समान 100 मीटर चौड़ा बफर जोड़ा जाएगा, ताकि 20 मीटर ऊंचाई की पहाड़ी के अनुरूप संभावित विस्तार को ध्यान में रखा जा सके, जो 20 मीटर के 'कंटूर इंटरवल' (समोच्च अंतराल) के बराबर है। इन निरूपित क्षेत्रों के भीतर आने वाले समतल इलाके, गड्ढे और घाटियों भी पहाड़ियों का हिस्सा मानी जाएंगी।"

उन्होंने दूसरा सवाल किया कि क्या यह सच नहीं है कि भारतीय वन सर्वेक्षण ने 20 सितंबर 2025 को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को भेजे गए अपने एक पत्र में यह कहा था- "अरावली की छोटी पहाड़ी संरचनाएं मरुस्थलीकरण के खिलाफ प्राकृतिक अवरोध के रूप में काम करती हैं, क्योंकि वे भारी रेत कणों को रोकती हैं।

कुलदीप सेंगर की रिहाई के खिलाफ एचसी पहुंची सीबीआई, कल जस्टिस सूर्यकांत की बेंच करेगी याचिका पर सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सीबीआई की उस याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें बीजेपी के निष्कासित नेता कुलदीप सिंह सेंगर की सजा सस्पेंड करने के फैसले को चुनौती दी गई है। दिल्ली हाई कोर्ट ने हाल ही में सेंगर की उम्रकैद की सजा पर रोक लगाते हुए उसे जेल से बाहर आने का रास्ता साफ कर दिया था, जिसे अब सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

कौन करेगा सुनवाई?

इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट की वेकेशन बेंच करेगी, जिसमें चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह शामिल हैं।

विवाद क्या है?

दिल्ली हाई कोर्ट ने 23 दिसंबर को कुलदीप सिंह सेंगर की सजा को सस्पेंड कर दिया था। कोर्ट का तर्क था कि सेंगर पहले ही सात साल और पांच महीने जेल में बिता चुका है। सेंगर फिलहाल उन्नाव रेप केस में उम्रकैद की सजा काट रहा है। सीबीआई का मानना है कि ऐसे जघन्य अपराध के दोषी को जेल से बाहर रखना न्याय के खिलाफ है।

ीड़िता का दर्द, मेरा सब कुछ छीन लिया गया

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से पहले पीड़िता ने अपनी सुरक्षा और न्याय को लेकर गहरी चिंता जताई है। समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए पीड़िता ने कहा, 'मेरे पिता और परिवार के सदस्यों को मार दिया गया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने की नौसेना की पनडुब्बी घ्ए वाघशीर की यात्रा, नौसैनिकों की सराहना की

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को पश्चिमी समुद्री क्षेत्र में भारतीय नौसेना की स्वदेशी अग्रिम पंक्ति की पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर में यात्रा की। राष्ट्रपति मुर्मू पनडुब्बी में यात्रा करने वाली दूसरी राष्ट्रपति हैं। इससे पहले फरवरी 2006 में तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने आईएनएस सिंधु रक्षक में पनडुब्बी यात्रा की थी।

अधिकारियों के मुताबिक, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी कर्नाटक के करवार नौसैनिक अड्डे से कलवरी श्रेणी की पनडुब्बी में हुई इस यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू के साथ थे। राष्ट्रपति सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर भी हैं।

नौसैनिक वर्दी पहने राष्ट्रपति मुर्मू ने पनडुब्बी में प्रवेश करने से पहले वहां मौजूद नौसैनिकों से मुलाकात की। उन्होंने आईएनएस वाघशीर के चालक दल से

बातचीत की और उनके समर्पण की सराहना की। उन्होंने इस स्वदेशी पनडुब्बी को भारतीय नौसेना की पेशेवर उत्कृष्टता और युद्ध तैयारी का बेहतरीन उदाहरण बताया।

राष्ट्रपति सचिवालय ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पश्चिमी समुद्री क्षेत्र में भारतीय नौसेना की पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर के भीतर जाकर समुद्र के नीचे यात्रा की। सचिवालय ने बताया कि राष्ट्रपति को भारत की समुद्री रणनीति में पनडुब्बी बेड़े की भूमिका, उसकी परिचालन क्षमताओं और राष्ट्रीय समुद्री हितों की रक्षा में उसके योगदान के बारे में जानकारी दी गई।

आईएनएस वाघशीर के चालक दल से बातचीत के दौरान राष्ट्रपति ने उनके समर्पण, प्रतिबद्धता और निस्वार्थ सेवा भावना की सराहना की। सचिवालय ने सोशल मीडिया पर कहा कि राष्ट्रपति ने बताया कि यह स्वदेशी पनडुब्बी भारतीय नौसेना की पेशेवर क्षमता, युद्ध तत्परता और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

आईएनएस वाघशीर पी75 स्कॉर्पीन परियोजना के तहत बनी छठी और अंतिम पनडुब्बी है, जिसे जनवरी में नौसेना में शामिल किया गया था। नौसेना अधिकारियों के अनुसार, यह दुनिया की सबसे शांत और उपयोगी डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों में से एक है। यह पनडुब्बी सतह पर युद्ध, पनडुब्बी रोधी युद्ध, खुफिया जानकारी जुटाने, क्षेत्रीय निगरानी और विशेष अभियानों जैसे कई कार्यों के लिए बनाई गई है।

दिग्विजय सिंह के बयान पर बंटी कांग्रेस! पवन खेड़ा ने किया 'गोडसे' का जिक्र, थरूर का मिला समर्थन

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह की ओर से आरएसएस और भाजपा की तारीफ किए जाने के मामले ने पार्टी के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं। दिग्विजय सिंह ने अपने बयान पर सफाई देते हुए कहा है कि वह संघ की विचारधारा के घोर विरोधी हैं। हालांकि, उनके इस बयान पर कांग्रेस में ही कई नेताओं की राय बंटी हुई नजर आ रही है।

दिग्विजय सिंह ने शनिवार को एक पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के वरिष्ठ नेता एलके आडवाणी की तस्वीर साझा की थी। इसके साथ उन्होंने कहा था कि भाजपा-आरएसएस

जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को संगठन के भीतर मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री जैसे शीर्ष पदों तक पहुंचने का मौका देते हैं। गौरतलब है कि इस तस्वीर में पीएम मोदी जमीन पर बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं।

'गोडसे का संगठन कांग्रेस को क्या सिखाएगा?' :पवन खेड़ा

आरएसएस पर तीखा प्रहार करते हुए कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने संघ को 1948 में महात्मा गांधी की हत्या करने वाले नाथूराम गोडसे से जोड़ा। पवन खेड़ा ने कहा, 'आरएसएस से सीखने को कुछ नहीं है। गोडसे के लिए कुख्यात संगठन गांधी के बनाए संगठन को क्या सिखा सकता है?'

मणिकम टैगौर ने अल-कायदा से कीं एए की तुलना

कांग्रेस नेता मणिकम टैगौर ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'गोडसे के संगठन से नफरत के अलावा और कुछ सीखा नहीं जा सकता है। कांग्रेस 140 वर्ष की हो गई है, जो अभी भी युवा है और नफरत के खिलाफ लड़ती है।' न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में टैगोर ने कहा, 'आरएसएस नफरत पर आधारित एक संगठन है और यह नफरत फैलाता है। नफरत से कुछ सीखने को नहीं मिलता। क्या आप अल-कायदा से कुछ सीख सकते हैं? अल-कायदा नफरत फैलाने वाला संगठन है। यह दूसरों से नफरत करता है। उस संगठन से क्या सीखा जा सकता है?'

शशि थरूर ने किया दिग्विजय सिंह का समर्थन

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने दिग्विजय सिंह के बयान पर कहा, 'मैं भी चाहता हूं कि हमारा संगठन मजबूत हो। हमारे संगठन में अनुशासन होना चाहिए। दिग्विजय सिंह खुद इसका उदाहरण हैं।' इसके साथ ही शशि थरूर ने कहा, 'हमारी पार्टी का 140 साल का इतिहास है. हम इससे बहुत कुछ सीख सकते हैं। हम खुद से भी बहुत सी चीजें सीख सकते हैं। अनुशासन बहुत जरूरी चीज है।'

सोनिया गांधी से मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की अपील

'नेहरू के पत्र और दस्तावेज पीएम संग्रहालय को लौटाएं'

नई दिल्ली। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से अपील की है कि वे देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से जुड़े पत्र और दस्तावेज प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय (पीएमएमएल) को वापस लौटाएं। उन्होंने कहा कि ये दस्तावेज किसी एक परिवार या व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे देश की विरासत हैं। पीटीआई को दिए एक साक्षात्कार में मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय की स्थापना नेहरू जी के निधन के बाद हुई थी। पहले इसे नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी (एनएमएमएल) कहा जाता था, जिसे 2023 में बदलकर पीएमएमएल कर दिया गया। इस संग्रहालय में सभी प्रधानमंत्रियों से जुड़े दस्तावेज सुरक्षित रखे जाते हैं।

'पीएमएमएल में कुल करीब 2.5 करोड़ दस्तावेज'

उन्होंने कहा कि 1970 से 1990 के बीच नेहरू जी से जुड़े गैर-सरकारी दस्तावेज, निजी पत्र, उन्हें मिले जवाब और उनकी निजी टिप्पणियां संग्रहालय

में सुरक्षित रखी गई थीं। पीएमएमएल में कुल करीब 2.5 करोड़ दस्तावेज हैं, जिनमें से लगभग 4 लाख दस्तावेज केवल पंडित नेहरू से जुड़े हैं।

'पूर्व पीएम से जुड़े दस्तावेज किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं'

उन्होंने कहा कि 29 अप्रैल 2008 को सोनिया गांधी के निर्देश पर उनके प्रतिनिधि एम. वी. राजन ने पत्र लिखकर नेहरू जी के निजी पारिवारिक पत्र और नोट्स वापस मांगे थे। इसके बाद संग्रहालय से करीब 57 कार्टन, जिनमें लगभग 26000 दस्तावेज थे, परिवार को लौटा दिए गए। मंत्री ने कहा, 'हमने इन दस्तावेजों को वापस लौटाने का अनुरोध किया है। सोनिया गांधी ने कहा है कि वह इस पर विचार करेंगी। ये दस्तावेज किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं हो सकते।'

मणिक्कम टैगोर का विवादित बयान, आरएसएस की तुलना 'अल-कायदा' से की

नई दिल्ली। बीजेपी और आरएसएस की तारीफ करने वाले दिग्विजय सिंह के पोस्ट पर कांग्रेस के अंदर घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब कांग्रेस नेता मणिक्कम टैगोर ने आरएसएस की तुलना वैश्विक आतंकी संगठन 'अल-कायदा' से करके एक नया विवाद खड़ा कर दिया है।

मणिक्कम टैगोर का तीखा हमला

दिग्विजय सिंह की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए मणिक्कम टैगोर ने कहा, 'आरएसएस नफरत की बुनियाद पर बना संगठन है। नफरत फैलाने वालों से सीखने के लिए कुछ नहीं होता।' टैगोर ने सवाल किया, 'क्या आप अल-कायदा से कुछ सीख सकते हैं? वह भी नफरत फैलाने वाला संगठन है जो दूसरों से नफरत करता है। ऐसे संगठनों से भला क्या सीखा जा सकता है?'

टैगोर ने सोशल मीडिया पर 'सेल्फ-गोल' का एक वीडियो शेयर करते हुए दिग्विजय सिंह पर तंज कसा कि उन्होंने अपनी ही पार्टी के खिलाफ बयान देकर खुद का नुकसान किया है।

बीजेपी का पलटवार

बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने मणिक्कम टैगोर के बयान पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस वोट बैंक की प्यास में पागल हो गई है। पहले हिंदू और सनातन का अपमान किया, अब राष्ट्रवादी संगठन को आतंकी बता रहे हैं।' पूनावाला ने आगे कहा कि कांग्रेस को 100 साल से देश सेवा कर रहे संगठन में आतंकी दिखते हैं, लेकिन बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों पर वे चुप्पी साधे हुए हैं।

क्या था दिग्विजय सिंह का वो पोस्ट?

शनिवार को दिग्विजय सिंह ने पीएम मोदी की एक पुरानी फोटो शेयर की थी, जिसमें वे लालकृष्ण आडवाणी के पास फर्श पर बैठे दिख रहे हैं।

अत्प में 20 हजार जवान संभालेंगे नए साल का मोर्चा, नियमों का उल्लंघन करने पर होगी कठोर कार्रवाई

नई दिल्ली। नए साल के स्वागत के लिए राष्ट्रीय राजधानी पूरी तरह तैयार है, लेकिन इस दौरान सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिल्ली पुलिस ने विशेष इंतजाम किए हैं। शनिवार को पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शराब पीकर गाड़ी चलाने और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर इस बार कड़ी नजर रखी जाएगी।

20,000 जवान संभालेंगे मोर्चा

नए साल की पूर्व संध्या पर दिल्ली की सड़कों, बाजारों और मॉल के आसपास दिल्ली पुलिस, ट्रैफिक पुलिस और अर्धसैनिक बलों के लगभग 20,000 जवान तैनात रहेंगे।

बॉर्डर पर निगरानी

हरियाणा और उत्तर प्रदेश से आने वाली भीड़ को देखते हुए दिल्ली की सीमाओं पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रवेश द्वारों पर हर वाहन की जांच की जाएगी।

पार्टी जोन पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम

कनॉट प्लेस, हौज खास और प्रमुख शॉपिंग मॉल्स के आसपास विशेष

नाकेबंदी की गई है। रणनीतिक स्थानों पर त्वरित प्रतिक्रिया टीमें तैनात रहेंगी।

नियम तोड़ा तो गाड़ी होगी जब्त

ट्रैफिक पुलिस ने खतरनाक ड्राइविंग और स्टंटबाजी रोकने के लिए सख्त योजना बनाई है। शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों की पहचान के लिए पुलिस बड़े पैमाने पर ब्रेथ एनालाइजर का इस्तेमाल करेगी। अधिकारियों ने साफ किया है कि शराब पीकर वाहन चलाने या खतरनाक स्टंट करने पर वाहन को तुरंत जब्त कर लिया जाएगा। कनॉट प्लेस के 'इनर सर्कल' में केवल वैध स्टिकर वाले वाहनों को ही प्रवेश की अनुमति मिलेगी।

संदिग्धों की जांच जारी

सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस होटल, गेस्ट हाउस और रैन बसेरों की लगातार चेकिंग कर रही है। बस स्टैंड और रेलवे स्टेशनों पर भी विशेष अभियान चलाया जा रहा है ताकि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की पहचान की जा सके। सभी थाना प्रभारियों को पूरी रात सड़कों पर रहने के निर्देश दिए गए हैं।

बीएसएफ ने नकारा बांग्लादेशी पुलिस का दावा, घुसपैठ की खबरों को बताया 'झूठ'

शिलांग। मेघालय में तैनात सुरक्षा एजेंसियों ने बांग्लादेश पुलिस के उन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें कहा गया था कि 'इंकलाब मंच' के नेता शरीफ उस्मान हादी के हत्यारे भारत में घुस आए हैं। सीमा सुरक्षा बल ने इन खबरों को पूरी तरह निराधार और भ्रामक बताया है।

मेघालय फ्रंटियर के बीएसएफ प्रमुख ओ.पी. उपाध्याय ने स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर किसी भी व्यक्ति के भारत आने का कोई प्रमाण नहीं मिला है। उन्होंने कहा, 'हालुआघाट क्षेत्र से किसी के भी मेघालय में दाखिल होने की कोई खबर नहीं है। न तो हमारे जवानों ने ऐसी कोई हलचल देखी है और न ही हमें कोई ऐसी रिपोर्ट मिली है।'

पुलिस भी हाई अलर्ट पर

मेघालय पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी पुष्टि की है कि गारो हिल्स क्षेत्र में किसी भी संदिग्ध की मौजूदगी की कोई खुफिया जानकारी नहीं मिली है। राज्य पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं, लेकिन अब तक कोई संदिग्ध गतिविधि सामने नहीं आई है।

क्यों बढ़ा तनाव?

दरअसल, ढाका पुलिस के एक अधिकारी ने दावा किया था कि उस्मान हादी की हत्या के दो मुख्य आरोपी, फैसल करीम मसूद और आलमगीर शेख, अवैध तरीके से मेघालय में छिप गए हैं। बांग्लादेश में चल रही अस्थिरता को देखते हुए भारत-बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ के जवान पहले से ही हाई अलर्ट पर हैं।

NMMC चुनाव 2025-2026 के लिए नियुक्त कर्मचारियों के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम 1 जनवरी से

दिव्यांश
मुंबई(संवाददाता)

नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के आम चुनाव 2025-26 को ट्रांसपेरेंट और आसान तरीके से कराने के लिए, चुनाव प्रक्रिया में हिस्सा लेने वाले सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को ज़रूरी ट्रेनिंग दी जा रही है और म्युनिसिपल कमिश्नर और चुनाव अधिकारी डॉ. कैलाश शिंदे के गाइडेंस में 6 हज़ार से ज़्यादा कर्मचारियों के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम शेड्यूल तैयार किया गया है।

नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन एरिया में 28 वार्ड की 111 सीटों के लिए 15 जनवरी, 2026 को चुनाव हो रहे हैं और म्युनिसिपल एरिया में 1148 पोलिंग स्टेशन तय किए गए हैं। माननीय राज्य चुनाव आयोग की मंज़ूरी से, 8 डिवीज़न के लिए 8 चुनाव फ़ैसला अधिकारी, हर डिवीज़न के लिए 3 असिस्टेंट चुनाव फ़ैसला अधिकारी और 180 रीजनल अधिकारी चुनाव प्रक्रिया के लिए काम कर रहे हैं।

चुनाव प्रोसेस को अच्छे से प्लान करके करने के लिए, हर पोलिंग स्टेशन पर एक पोलिंग स्टेशन प्रेसिडेंट, 3 असिस्टेंट

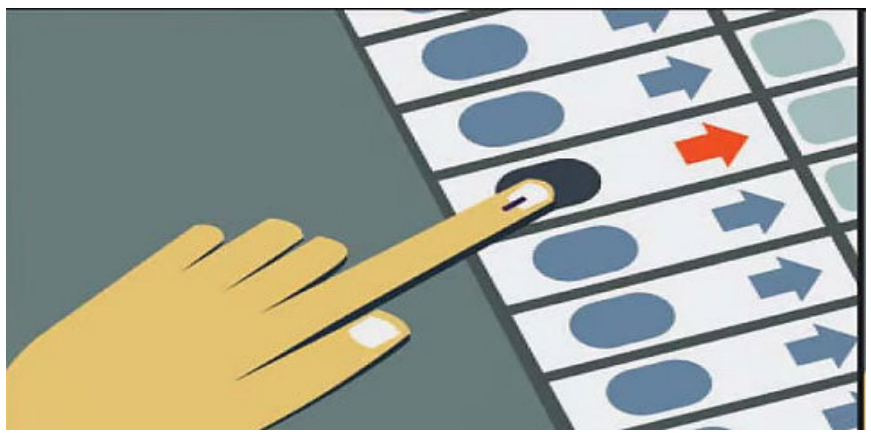

पोलिंग ऑफिसर और एक चपरासी की टीमें बनाई गई हैं। इसी तरह, ऐसी रिज़र्व टीमें भी रखी गई हैं। इन सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की पहली ट्रेनिंग 1 से 7 जनवरी तक डिपार्टमेंट के हिसाब से सेशन में विष्णुदास भावे नाट्यगृह, वाशी और सरस्वती विद्यालय, ऐरोली में रखी गई है।

1 जनवरी को नेरुल डिवीज़न, 2 जनवरी को बेलापुर डिवीज़न, 4 जनवरी को दीघा डिवीज़न, 5 जनवरी को घनसोली डिवीज़न, 6 जनवरी को कोपरखैराने और तुर्भे डिवीज़न के लिए दो सेशन में, 7 जनवरी को वाशी डिवीज़न के पोलिंग स्टेशनों पर तैनात पोलिंग अधिकारियों और कर्मचारियों की ट्रेनिंग विष्णुदास भावे नाट्यगृह, वाशी में होगी। इसी तरह, ऐरोली डिवीज़न के पोलिंग स्टेशनों पर तैनात पोलिंग अधिकारियों और कर्मचारियों की ट्रेनिंग 6 जनवरी को सरस्वती विद्यालय सेक्टर 5, ऐरोली में होगी।

इसी तरह, दूसरी ट्रेनिंग क्लास का शेड्यूल भी 8 जनवरी से 12 जनवरी तक तय किया गया है।

इस ट्रेनिंग में चुनाव से जुड़ी अलग-अलग बातें जैसे चुनाव प्रोसेस में नियुक्त अधिकारियों और कर्मचारियों की ज़िम्मेदारी, वोटिंग मटीरियल का इंस्पेक्शन और डिस्ट्रीब्यूशन, वोटर लिस्ट का इस्तेमाल, वोटर आइडेंटिटी वेरिफिकेशन, मॉक पोल प्रोसेस, वोटिंग मशीन सीलिंग प्रोसेस, कानूनी मामलों के बारे में बताया जाएगा और अलग-अलग डाउट्स दूर किए जाएंगे। इसी तरह, EVM मशीनों को असल में कैसे हैंडल किया जाता है, यह भी दिखाया जाएगा।

ट्रेनिंग में आना ज़रूरी है - गैरहाज़िर रहने वालों पर एक्शन होगा

ये ट्रेनिंग क्लास चुनाव प्रोसेस को ट्रांसपेरेंट तरीके से करने और काम में कोई गलती न हो और गड़बड़ी से बचने के लिए आयोजित की गई हैं। ट्रेनिंग की तारीख, समय और जगह के बारे में सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को अलग से बता दिया गया है। इस ट्रेनिंग में आना ज़रूरी है और जो अधिकारी और कर्मचारी गैरहाज़िर रहेंगे और स्टेट इलेक्शन कमीशन के निर्देशों के अनुसार ऑर्डर नहीं मानेंगे, उनके खिलाफ क्रिमिनल एक्शन लिया जाएगा, यह NMMC कमिश्नर डॉ. कैलाश शिंदे ने साफ चेतावनी दी है।

फर्जी लर्नर ड्राइविंग लाइसेंस मामला: मुख्य आरोपी बिहार से गिरफ्तार

मुंबई। फर्जी लर्नर ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने के लिए फर्जी वेबसाइट बनाकर और सरकारी कंप्यूटर सिस्टम को एक्सेस करके नागरिकों को धोखा देने वाले एक गैंग के मुख्य आरोपी को बिहार राज्य से गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई जालना लोकल क्राइम ब्रांच और साइबर पुलिस स्टेशन ने मिलकर की।

इस मामले में, जालना के असिस्टेंट मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर और डिप्टी रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिसर अभिजीत कडुबा बावस्कर ने 26 नवंबर, 2025 को शिकायत दर्ज कराई थी। अज्ञात आरोपी ने एक फर्जी वेबसाइट के ज़रिए सरकारी प्रक्रिया का गलत इस्तेमाल किया और आर्थिक फायदे के लिए नागरिकों को फर्जी लर्नर ड्राइविंग लाइसेंस जारी किए। आरोप है कि ये उपलब्ध कराए गए थे। इसी आधार पर जालना के साइबर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया।

अपराध की गंभीरता को देखते हुए, जालना के पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में लोकल क्राइम ब्रांच और साइबर पुलिस स्टेशन की एक टीम बनाई गई। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी, बिदराज प्रमोद यादव (उम्र 24, निवासी तेंगराहा, जिला सहरसा, बिहार), बार-बार अपना ठिकाना बदल रहा था। आखिरकार, 23 दिसंबर, 2025 को पटना, सिमरी बख्तियारपुर और सहरसा इलाकों में तलाशी अभियान चलाया गया और उसे हिरासत में ले लिया गया।

अपराध में इस्तेमाल किया गया लैपटॉप, आईफोन, थंब ड्राइव, जिनकी कीमत लगभग 1 लाख 46 हजार रुपये है, आरोपी से जब्त कर लिए गए हैं। गिरफ्तार आरोपी को 28 दिसंबर, 2025 को कोर्ट में पेश किया गया और उसे चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

इस अपराध में जम्मू-कश्मीर के फैसल बशीर मीर और जालना के मुजाहिद उर्फ डॉन रईसुद्दीन अंसारी को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

यह कार्रवाई जालना के पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और सहरसा जिला पुलिस प्रशासन के मार्गदर्शन में लोकल क्राइम ब्रांच और साइबर पुलिस स्टेशन के अधिकारियों और कर्मचारियों ने मिलकर की, परिवहन आयुक्त, मुंबई ने यह जानकारी दी है।

अदालत ने दुष्कर्म के मामले में व्यक्ति को बरी किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के नवी मुंबई की एक अदालत ने दुष्कर्म और आपराधिक धमकी के एक मामले में आरोपी 48 वर्षीय व्यक्ति को बरी कर दिया है। अदालत ने कहा कि महिला के साथ उसका आपसी सहमति से संबंध था और उन्होंने मामले को सुलझा लिया था।

बेलापुर अदालत के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सी.वी. मराठे ने 2015 के एक मामले में आरोपी हरेकृष्ण रामचंद्र साहनी को बरी कर दिया। अदालत के नौ दिसंबर के आदेश की प्रति शनिवार को उपलब्ध कराई गई।

अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया था कि साहनी ने महिला की आर्थिक तंगी का फायदा उठाकर उसका बार-बार यौन उत्पीड़न किया। अभियोजन पक्ष ने बताया कि महिला ने 2010 में आरोपी से 20,000 रुपये उधार लिए थे और जब वह कर्ज चुकाने में असमर्थ रही, तो साहनी ने उसे यौन संबंध बनाने के लिए कथित तौर पर मजबूर किया।

अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया गया कि आरोपी ने महिला को यह बात किसी को बताने पर उसके पति को जान से मारने की धमकी दी थी। अभियोजन

पक्ष के मुताबिक, आरोपी ने नवंबर 2015 तक महिला का यौन शोषण किया और आखिरकार पीड़िता ने अपने पति को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद दोनों ने पुलिस से संपर्क किया।

मुकदमे के दौरान, महिला की गवाही से पता चला कि यह संबंध जबरदस्ती नहीं था। न्यायाधीश ने आदेश में कहा कि जिरह के दौरान महिला ने बताया कि आरोपी ने उसकी सहमति से यौन संबंध बनाये थे और उसने मामले को अदालत के बाहर सुलझा लिया है। अदालत ने कहा कि ऐसा कोई सबूत नहीं है, जिससे यह पता चले कि महिला से जबरदस्ती की गयी थी।

2025 की समयरेखा - रवनीत सिंह बिट्टू (रेलवे और खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री), रेलवे परियोजनाएं रेलवे नेटवर्क को सुदृढ़ बनाना

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

गुरदासपुर-मुकेरियन रेल लिंक के लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण को मंजूरी दी गई – उत्तरी पंजाब में यात्री और माल ढुलाई को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीतिक भावी रेल लाइन।

राजपुरा-मोहाली रेल लाइन (18 किमी) को मंजूरी दी गई (443 करोड़) – मोहाली और राजपुरा के बीच संपर्क को मजबूत करने और दिल्ली की यात्रा को सुगम बनाने की उम्मीद है; मालवा क्षेत्र को सीधे चंडीगढ़ से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण परियोजना।

फिरोजपुर-पट्टी रेल लिंक परियोजना (25.72 किमी, लगभग ?764 करोड़) को पूर्ण रेलवे निधि और भूमि अधिग्रहण निधि पंजाब सरकार के पास जमा कर दी गई है (रेलवे ने डीसी तरनतारन के पास ?138 करोड़ और डीसी फिरोजपुर के पास ?56 करोड़ जमा किए हैं) ताकि पंजाब के मालवा और माझा क्षेत्रों को जोड़ने वाली इस महत्वपूर्ण नई लाइन परियोजना को गति दी जा सके और फिरोजपुर और अमृतसर के बीच यात्रा की दूरी को काफी कम किया जा सके।

लंबे समय से लंबित कादियान-ब्यास रेल लाइन परियोजना को अब फिर से शुरू कर दिया गया है - वर्षों से रुकी हुई इस ऐतिहासिक लगभग 40 किमी लंबी रेल पटरी का निर्माण कार्य पुनर्जीवित हो रहा है, जिससे क्षेत्रीय

उद्योग और संपर्क को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

चंडीगढ़-मोरिंडा-लुधियाना रेलवे ट्रैक के दोहरीकरण के लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण किया गया है - यह बढ़ते रेल यातायात को संभालने और त्रिशहरी क्षेत्र के प्रमुख मार्गों पर संपर्क सुधारने के लिए किए जा रहे व्यापक आधुनिकीकरण का हिस्सा है।

मुख्य लाइन के साथ संपर्क को मजबूत करने के लिए अंबाला से पठानकोट तक तीसरी लाइन के लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण किया गया है - यह देश भर में किए जा रहे नेटवर्क सुदृढ़ीकरण का हिस्सा है।

रेल सेवाएं

मालवा क्षेत्र से होकर वंदे भारत एक्सप्रेस का शुभारंभ - बरनाला में नया पड़ाव जोड़ने के बाद फिरोजपुर को मालवा क्षेत्र के प्रमुख शहरों से होते हुए दिल्ली से जोड़ा जाएगा।

शहीदी जोर मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सरहिंद जंक्शन पर 12 ट्रेनों के लिए अस्थायी ठहराव की घोषणा की गई है (25-27 दिसंबर, 2025) - जिससे त्योहार के दौरान यात्रा सुगम हो सके।

स्टेशन पुनर्निर्माण

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन पुनर्निर्माण (462 करोड़) की समीक्षा की गई और चंडीगढ़ स्टेशन को आधुनिक ट्रांजिट हब में उन्नत यात्री सुविधाओं के साथ अपग्रेड करने की प्रगति की समीक्षा की गई।

पंजाब के सभी 30 स्टेशनों पर स्टेशन विकास कार्य शुरू किया गया है।

सड़क सुरक्षा कार्य - आरओबी और आरबी

51 ऐसे स्थानों की पहचान की गई है जहां आरओबी और आरबी व्यवहार्य हैं और इनमें से 25 को अब तक मंजूरी मिल चुकी है। 21 अन्य स्थान अनुमोदन की प्रक्रिया में विभिन्न चरणों में हैं। लंबे समय से लंबित दोराहा आरओबी के लिए निविदा अब जारी की गई है। पंजाब सरकार के अपेक्षित सहयोग से यह कार्य अब पूरा हो जाएगा।

पंजाब के लिए निधि आवंटन में वृद्धि

पंजाब के लिए अवसंरचना और सुरक्षा कार्यों के लिए निधि आवंटन में वृद्धि

अवधिः औसत व्यय में वृद्धि (2009-14 के औसत आवंटन की तुलना में)

2009-14: ?225 करोड़/वर्ष

2023-24: ?4762 करोड़ (21 गुना से अधिक)

2024-25: ?5147 करोड़ (लगभग 23 गुना)

2025-26: ?5421 करोड़ (24 गुना से अधिक)

अदाणी की जीवन यात्रा मेहनती युवाओं के लिए प्रेरणा हैः शरद पवार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने रविवार को कहा कि उद्योगपति गौतम अदाणी की जीवन यात्रा बड़े सपने देखने वाले मेहनती युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। पवार ने पुणे जिले के बारामती में शरदचंद्र पवार कृत्रिम मेधा उत्कृष्टता केंद्र के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित किया।

अदाणी समूह के अध्यक्ष द्वारा वित्त पोषित यह उत्कृष्टता केंद्र पवार परिवार द्वारा संचालित शिक्षण संस्थान विद्या प्रतिष्ठान के अंतर्गत स्थापित किया गया है। शरद पवार ने कहा कि अदाणी गुजरात के सूखा-प्रभावित बनासकांठा जिले से आते हैं। वह मुंबई आए और बिल्कुल शून्य से शुरुआत की तथा आज उनका

व्यवसाय देश के 23 राज्यों में फैला हुआ है।

उन्होंने कहा, "अदाणी का यह सफर मेहनती युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो बड़े सपने देखते हैं।" अदाणी ने शरद पवार को अपना मार्गदर्शक बताते हुए कहा कि वरिष्ठ नेता ने जमीनी हकीकत को राष्ट्रीय एजेंडे के साथ सफलतापूर्वक जोड़ा है।

उन्होंने कहा, "बारामती परिवर्तन और असीम संभावनाओं का प्रतीक है, जो उनके दूरदर्शी नेतृत्व के कारण संभव हुआ है।" इस अवसर पर राकांपा (शप) प्रमुख शरद पवार, बारामती से सांसद सुप्रिया सुले, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार, उनकी पत्नी और राज्यसभा सदस्य सुनेत्रा पवार तथा पवार परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

राकांपा (शप) के विधायक रोहित पवार और विद्या प्रतिष्ठान के कोषाध्यक्ष युगेंद्र पवार भी कार्यक्रम में मौजूद थे। अदाणी इससे पहले पवार परिवार के गृह नगर बारामती में 2022 में गए थे जहां उन्होंने विज्ञान एवं नवोन्मेष गतिविधि केंद्र के उद्घाटन समारोह में भाग लिया था। पवार और अदाणी के बीच संबंध लगभग दो दशक पुराने हैं।

मुंबई में व्यावसायिक इमारत में आग लगी, कोई हताहत नहीं

मुंबई।मुंबई की छह मंजिला एक व्यावसायिक इमारत में शनिवार देर रात आग लग गई। नगर निकाय अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सांताक्रूज पूर्व के कलीना इलाके में 'एमजीन चैंबर्स' की छठी मंजिल पर देर रात करीब 2.30 बजे आग लगी, हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। नगर निकाय के एक अधिकारी ने बताया कि दमकल की चार गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और आग पर दो घंटे में काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि आग इमारत की छठी मंजिल

पर लगी जिसके बाद पुलिस, एंबुलेंस, एक बिजली कंपनी के कर्मचारी और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के कर्मी घटनास्थल पर पहुंचे।

पश्चिम रेलवे

सीनियर डिविजनल कमर्शियल मैनेजर, मुंबई सेंट्रल डिवीजन, पश्चिम रेलवे
डिविजनल रेलवे मैनेजर, कमर्शियल डिपार्टमेंट, NFR सेक्शन, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008
काम - मुंबई डिवीजन में विभिन्न NFR मीडिया के माध्यम से विज्ञापन का प्रदर्शन

नीलामी कैटलॉग नंबर	नीलामी शुरू (सभी लॉट)
MMCT-ADVT-25-66	08-01-26 15:00:00

अ. क्र.	लॉट नं0	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की अंतिम तिथि और समय
1	ADVT-Int-S1-10EMUSBP-463-25-2 (Advertising - Train Interior)	मुंबई मंडल, पश्चिम रेलवे पर 90 दिनों की अवधि के लिए 10 ईएमयू रेक (12-डिब्बों वाले) में केवल महिला डिब्बों के भीतर, दरवाज़े से सटे साइड पार्टिशन के निचले भाग पर स्टिकर/फ्लेक्स/विनाइल के माध्यम से विज्ञापनों का प्रदर्शन, जिसका कुल क्षेत्रफल 184.7 वर्ग मीटर है।	90	08-01-26 15:30:00

संपर्क विवरणः- लैंडलाइन नंबरः- 02267644212, ईमेल ID:- acmadvtgbct@gmail.com नोटः इच्छुक बोली लगाने वालों से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर ई-ऑक्शन लीजिंग मॉड्यूल देखें। लॉट के अनुसार विवरण वहां बताए गए कैटलॉग में उपलब्ध हैं। 0948

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

सीनियर डिविजनल कमर्शियल मैनेजर, मुंबई सेंट्रल डिवीजन, पश्चिम रेलवे
डिविजनल रेलवे मैनेजर, कमर्शियल डिपार्टमेंट, NFR सेक्शन, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008
काम - मुंबई डिवीजन में विभिन्न NFR मीडिया के माध्यम से विज्ञापन का प्रदर्शन

नीलामी कैटलॉग नंबर	नीलामी शुरू (सभी लॉट)
MMCT-ADVTM25-46	14-01-26 12:00:00

अ. क्र.	लॉट नं0	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की अंतिम तिथि और समय
1	MSS-BCT-MRU-MedStn-45-24-1 (Misc-Static-Services-Medical facilities at station)	माटुंगा रोड रेलवे स्टेशन पर 5 साल की अवधि के लिए इमरजेंसी मेडिकल रूम के ज़रिए चौबीसों घंटे मेडिकल सुविधाएँ प्रदान करना।	1826	14-01-26 12:30:00
2	MSS-BCT-GTR-MedStn-94-25-1 (Misc-Static-Services-Medical facilities at station)	ग्रांट रोड रेलवे स्टेशन पर 5 साल की अवधि के लिए इमरजेंसी मेडिकल रूम के माध्यम से चौबीसों घंटे मेडिकल सुविधाएं प्रदान करना।	1826	14-01-26 12:40:00
3	MSS-BCT-BDTS-MedStn-93-25-1 (Misc-Static-Services-Medical facilities at station)	बांद्रा टर्मिनस रेलवे स्टेशन पर 5 साल की अवधि के लिए इमरजेंसी मेडिकल रूम के माध्यम से चौबीसों घंटे मेडिकल सुविधाएं प्रदान करना।	1826	14-01-26 12:50:00
4	MSS-BCT-RMAR-MedStn-92-25-1 (Misc-Static-Services-Medical facilities at station)	राम मंदिर रेलवे स्टेशन पर 5 साल की अवधि के लिए इमरजेंसी मेडिकल रूम के ज़रिए चौबीसों घंटे मेडिकल सुविधाएँ उपलब्ध कराना।	1826	14-01-26 13:00:00

संपर्क विवरणः- लैंडलाइन नंबरः- 02267644212, ईमेल ID:- acmadvtgbct@gmail.com नोटः इच्छुक बोली लगाने वालों से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर ई-ऑक्शन लीजिंग मॉड्यूल देखें। लॉट के अनुसार विवरण वहां बताए गए कैटलॉग में उपलब्ध हैं। 0949

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

कांग्रेस और वंचित बहुजन आघाड़ी के बीच गठबंधन का एलान, 62 सीटों पर लड़ेगी चुनाव वीबीए

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

कांग्रेस और प्रकाश आंबेडकर के नेतृत्व वाली वंचित बहुजन आघाड़ी (वीबीए) ने रविवार को आगामी बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव के लिए गठबंधन का एलान कर दिया। इस समझौते के तहत वंचित बहुजन आघाड़ी 227 में से 62 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस 150 से अधिक सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी, जबकि कुछ सीटें राष्ट्रीय समाज पक्ष और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (गवई) को दी जाएंगी।

इस गठबंधन की घोषणा महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल और वीबीए के प्रदेश उपाध्यक्ष धैर्यवर्धन पुंडकर ने की। सपकाल ने कहा कि राज्य की शेष 28 नगर निगमों के लिए गठबंधन पर फैसला स्थानीय स्तर पर लिया जाएगा और दोनों दलों ने अपनी स्थानीय इकाइयों को उपयुक्त निर्णय लेने का अधिकार दिया है।

साझा विचारधारा पर आधारित

स्वाभाविक गठबंधन- सपकाल

सपकाल ने गठबंधन को महज चुनावी गणित नहीं, बल्कि साझा विचारधारा पर आधारित स्वाभाविक गठबंधन बताया। सपकाल ने कहा, यह संख्याओं का खेल नहीं, बल्कि विचारों का संगम है। दोनों दल संविधान में आस्था रखते हैं और समानता, बंधुत्व व सामाजिक न्याय पर आधारित भारत के निर्माण में विश्वास करते हैं। सपकाल ने यह भी याद दिलाया कि कांग्रेस और वंचित बहुजन आघाड़ी इससे पहले 1998 और 1999 के चुनावों में साथ आ चुकी हैं। उन्होंने कहा कि 25 वर्षों के अंतराल के बाद राज्य की राजनीति में एक नया अध्याय शुरू हुआ है।

वंचित बहुजन आघाड़ी के नेता धैर्यवर्धन पुंडकर ने कहा कि यह गठबंधन भाजपा की विभाजनकारी राजनीति को रोकने के उद्देश्य से किया गया है। उन्होंने बताया कि गठबंधन के लिए पहल कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने की और शुरुआत से ही उनका रुख सकारात्मक रहा। वीबीए के मुख्य प्रवक्ता सिद्धार्थ मोकाले ने कहा कि गठबंधनों में सीट बंटवारे को लेकर पूरी संतुष्टि संभव नहीं होती, लेकिन आपसी सहमति जरूरी होती है।

15 जनवरी को होना है चुनाव

गौरतलब है कि राज्य की 29 नगर निगमों के चुनाव 15 जनवरी 2026 को प्रस्तावित हैं, जबकि जिला परिषद चुनावों की औपचारिक अधिसूचना का अभी इंतजार है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले कांग्रेस ने बीएमसी चुनाव अकेले लड़ने की घोषणा की थी।2017 के बीएमसी चुनाव में कांग्रेस को केवल 31 सीटें मिली थीं, जबकि तत्कालीन अविभाजित शिवसेना और भाजपा ने बेहतर प्रदर्शन किया था।

207 सीटों पर बनी भाजपा-शिवसेना के बीच सहमति

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भाजपा के शहर प्रमुख अमित साटम ने कहा कि सत्ताधारी महायुति के बीच मुंबई नगर निगम चुनावों के लिए 227 में से 207 सीटों पर सहमति बन गई है, जिसमें बीजेपी 128 और शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना 79 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना 15 जनवरी को होने वाले बीएमसी और अन्य निकाय चुनाव में मिलकर चुनाव लड़ेंगी। महायुति में अजीत पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भी शामिल है।

20 सीटों पर उम्मीदवारों को ध्यान में रखकर फैसला किया जाएगा

साटम ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'BMC की 207 सीटों पर सहमति बन गई है, जिसमें से बीजेपी 128 और शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना 79 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। बाकी 20 सीटों पर बातचीत चल रही है। इन सीटों पर उम्मीदवारों

को ध्यान में रखकर फैसला लिया जाएगा।'

साटम ने कहा, 'यह इस बारे में नहीं है कि कौन कितनी सीटों पर चुनाव लड़ता है। मायने यह रखता है कि कौन मुंबईकरों को भ्रष्टाचार मुक्त नागरिक प्रशासन दे सकता है। यह हिंदुत्व गठबंधन मुंबई को भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन देने के लिए है।' नवंबर 2024 के विधानसभा चुनावों से तुलना करते हुए साटम ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने शिवसेना के 'धनुष और तीर' चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ा था, जबकि शिंदे के कुछ नेताओं ने 'कमल' चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ा था।

अभी क्या है बीएमसी की स्थिति

महायुति का मुकाबला उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के गठबंधन से है। बीएमसी में 227 सीटें हैं और कुल 1,03,44,315 मतदाता हैं, जिनमें 55,16,707 पुरुष, 48,26,509 महिलाएं और 1,099 मतदाता 'अन्य' के रूप में पंजीकृत हैं। वोटर्स में 53 प्रतिशत पुरुष हैं, जबकि 47 प्रतिशत महिलाएं हैं। 2017 के बीएमसी चुनावों में, अविभाजित शिवसेना 84 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, उसके बाद भाजपा 82 सीटों के साथ दूसरे नंबर पर रही। 84 शिवसेना कॉर्पोरेटर्स में से 46 शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए हैं, साथ ही दूसरी पार्टियों के 16 कॉर्पोरेटर्स भी शामिल हुए हैं। BJP में भी दूसरी पार्टियों के छह कॉर्पोरेटर्स शामिल हुए हैं।

राज्य चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि महाराष्ट्र में 29 नगर निगमों, जिसमें BMC भी शामिल है, के चुनाव 15 जनवरी, 2026 को एक ही चरण में होंगे और वोटों की गिनती 16 जनवरी को होगी। नॉमिनेशन की प्रक्रिया 23 दिसंबर को शुरू हुई और 30 दिसंबर को खत्म होगी, जबकि नॉमिनेशन वापस लेने की आखिरी तारीख 2 जनवरी है।

(पंचम दिवस)

श्रीमद् भागवत ज्ञानयज्ञ : कथा-श्रवण से अंतःकरण का शोधन एवं आत्मोद्धार का दिव्य पथ

मुंबई। कांदिवली (पूर्व) स्थित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मैदान में आयोजित श्रीमद् भागवत ज्ञानयज्ञ के पंचम पावन दिवस पर कथा-श्रवण के आध्यात्मिक, धार्मिक तथा जीवनोपयोगी महत्व पर गंभीर एवं भावप्रवण विमर्श हुआ। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नारायणानन्द तीर्थ जी महाराज ने अपने दिव्य उद्बोधन में कहा कि कथा केवल श्रवण का विषय नहीं, अपितु आत्मा का पोषण और अंतःकरण का संस्कार है।

स्वामीजी ने शास्त्र-संदर्भ देते हुए कहा–
'श्रवणं कीर्तनं विष्णोः स्मरणं पादसेवनम्।'
अर्थात प्रभु के नाम, गुण और लीलाओं का श्रवण-कीर्तन ही भक्ति का प्रथम सोपान है। कथा-श्रवण से ही साधक का चित्त शुद्ध होता है और भक्ति की दृढ़ नींव पड़ती है।

गोस्वामी तुलसीदास जी के वचनों को उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा–
'सत्संगति मोहि राम पद पावन, ज्ञान विराग भजन सुख दावन।'
अर्थात सत्संग से ही मन निर्मल होता है, ज्ञान-वैराग्य की उत्पत्ति होती है और भक्ति-सुख का प्रकाश प्रकट होता है।

स्वामी नारायणानन्द तीर्थ जी महाराज ने कहा कि भागवत कथा अंतःकरण का परिष्कार करने वाली दिव्य औषधि है। जैसे गंगा-जल बाह्य मलिनता को हर लेता है, वैसे ही कथा-रस मन की

अशांति, तनाव और विकारों को शांति में परिवर्तित कर देता है।

भागवत महापुराण का स्मरण कराते हुए उन्होंने कहा–
'नित्यं भागवत-सेवया भगवत्युत्तम-श्लोके भक्तिर्भवति नैष्ठिकी।'
अर्थात नियमित भागवत-सेवन से भगवान में अचल और निष्काम भक्ति का उदय होता है।

युवाओं को संबोधित करते हुए स्वामीजी ने कहा कि आज के युग में सूचना की प्रचुरता है, परंतु आत्मिक ज्ञान का अभाव है। ऐसे समय में कथा दीपक के समान जीवन-पथ को आलोकित करती है–
'एक घड़ी आधी घड़ी, आधी से पुनि आध।
तुलसी संगत साधु की हरि-भक्ति सुखसाध?'

उन्होंने स्पष्ट किया कि कथा-श्रवण तीन चरणों में साधक को उन्नत करता है–
श्रवण मनन निदिध्यासन।
श्रवण से ज्ञान,
मनन से वैचारिक स्थिरता
और जीवन में उतारने से वही ज्ञान मोक्ष का साधन बनता है।

स्वामीजी ने कहा कि यदि प्रत्येक परिवार में कथा, भजन और गीता-पाठ का संस्कार जाग्रत हो जाए, तो समाज से कलह, अहंकार और वैमनस्य स्वतः दूर हो जाएंगे तथा प्रेम, करुणा और एकता का प्रसार होगा।

अंत में उन्होंने भावपूर्ण संदेश देते हुए कहा–
'कथा केवल कानों से नहीं, जीवन से सुनी जाए।
सुनना साधन है, जीना सिद्धि।'

प्रो. दयानंद तिवारी
प्रवक्ता, काशी धर्म पीठ
मो.: 9987123330

बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव : आम आदमी पार्टी ने उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र में बृहन्मुंबई महानगरपालिका सहित राज्य की 29 महानगरपालिकाओं के चुनाव की तिथियों की घोषणा हो चुकी है। इसके साथ ही राज्य के सभी राजनीतिक दल चुनावी तैयारियों में जुट गए हैं। आम आदमी पार्टी भी चुनावी मैदान में उतर चुकी है और पार्टी बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव अकेले लड़ रही है। इसी क्रम में रविवार, 28 दिसंबर को आम आदमी पार्टी ने उम्मीदवारों की एक और सूची जारी की।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने 15 उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की है। इसके साथ ही पार्टी अब तक कुल 51 उम्मीदवारों की सूची घोषित कर चुकी है। पार्टी द्वारा यह सूची सामाजिक माध्यमों पर साझा की गई है। आम आदमी पार्टी का कहना है कि इस सूची में समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े लोगों को प्रतिनिधित्व दिया गया है और पार्टी को विश्वास है कि वह चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करेगी।

'जमीनी कार्यकर्ताओं को बनाया गया उम्मीदवार'

इस अवसर पर पार्टी की नेता प्रीति शर्मा मेनन ने कहा कि ऐसे समय में जब कई राजनीतिक दल आपसी गठबंधन तक तय नहीं कर पा रहे हैं, तब आम आदमी पार्टी ने राजनीतिक मजबूरियों से ऊपर उठकर अपने जमीनी कार्यकर्ताओं और समाज के नागरिक नायकों को आगामी बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया है।

'भारतीय जनता पार्टी के कुशासन से परेशान हैं लोग'

प्रीति शर्मा मेनन ने आगे कहा कि आम आदमी पार्टी को जमीनी स्तर पर व्यापक समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि मुंबई के नागरिक भारतीय जनता पार्टी के कुशासन से परेशान हैं और कांग्रेस एवं शिवसेना द्वारा उसे समर्थन दिए जाने से भी निराश हैं। उनका कहना था कि मुंबई और मुंबईकर इससे कहीं बेहतर शासन के हकदार हैं।

इससे पहले गुरुवार, 25 दिसंबर को आम आदमी पार्टी ने उम्मीदवारों की

दूसरी सूची जारी की थी, जिसमें भी 15 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए थे। पार्टी पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि वह बृहन्मुंबई महानगरपालिका की सभी सीटों पर अकेले ही चुनाव लड़ेगी और किसी भी दल के साथ गठबंधन नहीं करेगी।

15 जनवरी को होगा मतदान

बृहन्मुंबई महानगरपालिका सहित राज्य की 29 महानगरपालिकाओं में 23 दिसंबर से नामांकन भरने की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 30 दिसंबर निर्धारित की गई है। 15 जनवरी को मतदान होगा, जबकि 16 जनवरी को मतगणना की जाएगी।

महाराष्ट्र में असदुद्दीन ओवैसी को बड़ा झटका, बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव से पहले पार्टी के मुंबई अध्यक्ष ने छोड़ी पार्टी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र में बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव से पहले ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन को बड़ा झटका लगा है। पार्टी के मुंबई अध्यक्ष हाजी फारुक मकबूल शाब्दी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता के साथ-साथ अपने सभी दायित्वों से स्वयं को मुक्त कर लिया है। इस घटनाक्रम पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी अथवा प्रदेश के किसी अन्य वरिष्ठ नेता की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, हाजी फारुक मकबूल शाब्दी टिकट वितरण को लेकर असंतुष्ट थे। बताया जा रहा है कि बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव से संबंधित समस्त जिम्मेदारियां पार्टी नेतृत्व द्वारा वारिस पठान और इम्तियाज जलील को सौंपी गई थीं, जिससे वे नाराज चल रहे थे।

हाजी फारुक मकबूल शाब्दी ने हाल ही में मुंबई अध्यक्ष का पद संभाला था और पार्टी संगठन को मजबूत करने की दिशा में सक्रिय रूप से कार्य किया था। वे वर्तमान में महाराष्ट्र प्रदेश कार्याध्यक्ष, मुंबई अध्यक्ष तथा सोलापुर शहर जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा रहे थे। उन्होंने अपना इस्तीफा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी को सौंप दिया है।

मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं तथा महाराष्ट्र प्रदेश कार्याध्यक्ष, मुंबई अध्यक्ष और सोलापुर शहर जिला अध्यक्ष सहित सभी पदों और जिम्मेदारियों से स्वयं को मुक्त कर रहे हैं। उन्होंने पार्टी द्वारा दिए गए विश्वास और अवसरों के लिए आभार व्यक्त किया है तथा अपने इस्तीफे को स्वीकार करने का अनुरोध किया है।

फिलहाल हाजी फारुक मकबूल शाब्दी के अगले राजनीतिक कदम को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन उनके इस्तीफे को महाराष्ट्र की राजनीति और बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव के दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम माना जा रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव से ठीक पहले मुंबई अध्यक्ष के इस्तीफे से पार्टी को चुनावी स्तर पर भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। सूत्रों के अनुसार, शाब्दी के इस्तीफे के बाद पार्टी संगठन के भीतर खलबली मची हुई है।

इस्तीफे में क्या लिखा गया

अपने त्यागपत्र में हाजी फारुक मकबूल शाब्दी ने कहा है कि वे ऑल इंडिया

वडोदरा मंडल के बाजवा-अहमदाबाद खंड पर स्वदेशी 'कवच' प्रणाली स्थापित की गई

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

रेल परिचालन में संरक्षा को और मजबूत करने के प्रयासों के तहत, वडोदरा मंडल

के सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग द्वारा 96 किलोमीटर लंबे बाजवा-अहमदाबाद खंड पर स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली 'कवच' सफलतापूर्वक स्थापित की गई है। इससे संबंधित रेल खंड पर संरक्षा में वृद्धि के साथ साथ उच्च गति पर भी सुरक्षित ट्रेन परिचालन सुनिश्चित होगा।

कवच प्रणाली द्वारा नए संरक्षित मार्ग पर आज 29 दिसंबर,2025 को वडोदरा - अहमदाबाद फास्ट पैसेंजर में वडोदरा के मंडल रेलवे प्रबंधक राजू भडके द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस खंड पर चलने वाले सभी लोकोमोटिव कवच प्रणाली से सुसज्जित हैं। इस स्वदेशी तकनीक को संरक्षा जोखिमों को स्वचालित रूप से कम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो लाल सिग्नल? को पार करने में रोकथाम (सिग्नल पासिंग एट डेंजर), लूप लाइनों और मुख्य रेल खंडों पर स्वचालित गति नियंत्रण, और आमने-सामने और पीछे से टक्करों से सुरक्षा जैसी कार्यक्षमताएं प्रदान करती है।

सायन-पनवेल महामार्ग व एमआईडीसी दक्षिण मध्य मार्ग पर गहन सफाई अभियान के माध्यम से वायु गुणवत्ता सुधार के ठोस उपाय

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

वायु गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से विभिन्न क्षेत्रों में ठोस उपायों की शुरुआत की गई है। नवी मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे द्वारा समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुसार सायन-पनवेल महामार्ग, एमआईडीसी क्षेत्र के दक्षिण मध्य मार्ग तथा अंतर्गत शहर के प्रमुख मार्गों और फुटपाथों पर जमी मिट्टी की गहन सफाई, उसे हटाने तथा शुद्धीकृत जल से सड़कों व फुटपाथों की धुलाई हेतु व्यापक स्वच्छता अभियान प्रभावी रूप से चलाया जा रहा है।

आयुक्त के निर्देशानुसार स्वच्छता अधिकारी के साथ-साथ अभियंत्रण विभाग के अभियंता भी सीधे क्षेत्र स्तर पर स्वच्छता कार्यों में जुटे हैं। इसी क्रम में आज रविवार को भी सायन-पनवेल महामार्ग, एमआईडीसी क्षेत्र तथा प्रमुख आंतरिक मार्गों पर अत्यंत सख्ती के साथ व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया।

अभियंत्रण विभाग द्वारा नगर अभियंता श्री शिरीष आर्डवाड के नियंत्रण में वाशी से बेलापुर तक सायन-पनवेल महामार्ग पर यांत्रिक साधनों एवं मानवशक्ति की सहायता से सफाई की गई। सड़क किनारों पर जमी मिट्टी की सफाई कर उसे उठाया गया तथा इसके बाद शुद्धीकृत जल से सड़कों की धुलाई की गई।

इसी प्रकार सायन-पनवेल महामार्ग के दूसरी ओर, अर्थात बेलापुर से वाशी दिशा में, फ्लाईओवर सहित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग द्वारा 250 से अधिक स्वच्छता कर्मियों की मदद से

व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान में अतिरिक्त आयुक्त श्री सुनील पवार एवं उप आयुक्त डॉ. अजय गाडे के मार्गदर्शन में स्वच्छता अधिकारी, स्वच्छता निरीक्षक तथा विभागीय दल सड़कों पर सक्रिय रूप से कार्यरत रहे। साथ ही अभियंत्रण विभाग द्वारा एमआईडीसी क्षेत्र के दक्षिण मध्य मार्ग पर भी यांत्रिक साधनों एवं मानवशक्ति की सहायता से सफाई की गई। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग ने घनसोली पाम बीच रोड, चेतक मिठाईवाला के सामने की मुख्य सड़क, गोठिवली कमला मार्केट के पीछे की सड़क तथा कोपरखैरणे विभाग के सेक्टर 10, 11 एवं 12 की प्रमुख सड़कों पर भी स्वच्छता कर्मियों के माध्यम से गहन सफाई की। इस अभियान के अंतर्गत सड़कों के किनारों पर जमी मिट्टी को ब्रश, यांत्रिक स्वीपिंग मशीनों एवं फिल्टर मशीनों की सहायता से साफ कर उठाया जा रहा है तथा शुद्धीकृत जल से सड़कों की धुलाई की जा रही है। इसके लिए जेटिंग स्प्रे का उपयोग किया जा रहा है। इसी प्रकार एनसीएपी वाहनों के माध्यम से फव्वारे की तरह हवा में शुद्धीकृत जल का छिड़काव कर वायु में धूलकणों की मात्रा कम करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के निर्देशानुसार क्षेत्रीय स्तर पर वायु प्रदूषण नियंत्रण उपायों को प्रभावी रूप से लागू करने हेतु महानगरपालिका की यंत्रणा और अधिक सक्रिय हुई है तथा आज रविवार को भी सायन-पनवेल महामार्ग के दोनों ओर, एमआईडीसी क्षेत्र के दक्षिण मध्य मार्ग एवं अन्य प्रमुख आंतरिक सड़कों पर यह व्यापक स्वच्छता अभियान अत्यंत प्रभावी ढंग से चलाया गया।

तो हमारा वजूद खत्म हो जाताष्ठ मुंबई में यूबीटी-कांग्रेस के बीच गठबंधन नहीं होने पर सपकाल का बयान

बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति में सरगर्मी तेज हो गई है। विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच गठबंधन और सीट बंटवारे को लेकर लगातार मंथन चल रहा है। इसी बीच कांग्रेस और वंचित बहुजन आघाड़ी के बीच गठबंधन तय हो गया है। हालांकि शिवसेना (यूबीटी) के साथ कांग्रेस का गठबंधन नहीं हो सका। दोनों दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर सहमति नहीं बन पाई।

महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन वसंतराव सपकाल ने इस विषय पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मुंबई में कांग्रेस का वंचित बहुजन आघाड़ी के साथ गठबंधन हुआ है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभी अंतिम रूप से सब कुछ तय नहीं हुआ है, लेकिन संभावना है कि वंचित बहुजन आघाड़ी अपने चुनाव चिन्ह पर 62 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि कांग्रेस अपने चुनाव चिन्ह 'पंजा' पर चुनाव लड़ेगी।

शिवसेना (यूबीटी) के साथ गठबंधन नहीं हो पाने पर सपकाल ने कहा कि इसका मुख्य कारण सीट बंटवारा रहा। उन्होंने बताया कि दोनों दलों के बीच सीटों को लेकर सहमति नहीं बन सकी। सपकाल के अनुसार, यदि कांग्रेस को कम सीटों पर ही संतोष करना पड़ता, तो मुंबई में पार्टी का वजूद कमजोर हो जाता।

कहीं घमासान तो कहीं खींचतान.... महाराष्ट्र निकाय चुनाव में कई सीटों पर डील अटकी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र में बृहन्मुंबई महानगरपालिका सहित विभिन्न नगर निकायों के चुनाव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं, लेकिन कई शहरों में राजनीतिक दलों के बीच गठबंधन और सीट बंटवारे को लेकर खींचतान बनी हुई है। अमरावती, नासिक, मालेगांव, धुळे, नागपुर, सोलापुर, जलगांव, छत्रपति संभाजीनगर और कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका में गठबंधन को लेकर असमंजस और घमासान की स्थिति है।

अमरावती में कांग्रेस-शिवसेना (उद्धव गुट) के संकेत

अमरावती महानगरपालिका चुनाव को लेकर कांग्रेस और शिवसेना के बीच गठबंधन के संकेत मिले हैं। रविवार को अमरावती में कांग्रेस पदाधिकारियों और ठाकरे गुट के नेताओं की संयुक्त बैठक हुई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री सुनील देशमुख और ठाकरे गुट के जिला प्रमुख पराग गुडधे के बीच चर्चा हुई। पराग गुडधे ने बताया कि सोमवार शाम तक कांग्रेस-उद्धव गुट के गठबंधन की औपचारिक घोषणा होने की संभावना है।

अमरावती में महायुति का मंथन

इधर महायुति की बैठक अमरावती से नागपुर स्थानांतरित कर दी गई है। राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुळे का अमरावती दौरा रद्द किया गया है। अब नागपुर में भारतीय जनता पार्टी, शिवसेना और युवा स्वाभिमान संगठन की अंतिम बैठक जारी है। सूत्रों के अनुसार आज ही सीट बंटवारे पर समाधान निकल सकता है। इससे पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की बैठक में सहमति नहीं बन पाई थी।

नासिक में सीट बंटवारे पर मतभेद

नासिक में भी महायुति के भीतर मतभेद बने हुए हैं। कुल 122 सीटों में से भाजपा 85 सीटों की मांग कर रही है। शिंदे गुट 45 और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी 30 सीटों

की मांग पर अड़ी है। भाजपा शहर अध्यक्ष सुनील केदार के अनुसार अंतिम निर्णय शीर्ष नेतृत्व करेगा। सूत्र बताते हैं कि भाजपा नेता गिरीश महाजन आज शिवसेना और राष्ट्रवादी नेताओं से चर्चा करेंगे।

मालेगांव और धुळे में नामांकन की स्थिति

मालेगांव महानगरपालिका में गठबंधन स्पष्ट न होने के कारण नामांकन प्रक्रिया धीमी है। दस्तावेजों की जटिलता के चलते उम्मीदवार सतर्कता बरत रहे हैं। धुळे में नामांकन की अंतिम तिथि नजदीक आने से इच्छुक उम्मीदवार वकीलों से सलाह ले रहे हैं, ताकि नामांकन निरस्त न हो।

सोलापुर और चंद्रपुर के समीकरण

चंद्रपुर महानगरपालिका को लेकर नागपुर स्थित भाजपा कार्यालय में बैठक जारी है। सोलापुर में शिंदे गुट और अजित पवार गुट ने मिलकर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है और दोनों के बीच समान सीट बंटवारे का सूत्र तय हुआ है। भाजपा से बातचीत आगे नहीं बढ़ पाई है।

जलगांव और छत्रपति संभाजीनगर में पेंच

जलगांव में आचार संहिता के बावजूद राजनीतिक बैठकों की जानकारी सामने आई है। भाजपा और शिवसेना के बीच गठबंधन पर सहमति होने के बावजूद सीट बंटवारा अब भी अटका है। छत्रपति संभाजीनगर में भी गठबंधन पर अंतिम फैसला नहीं हो सका है।

कल्याण-डोंबिवली में भाजपा कार्यकर्ताओं की नाराजगी

कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका में शिवसेना के साथ सीट बंटवारे के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं में असंतोष देखा जा रहा है। पार्टी पदाधिकारियों ने मांग की है कि गठबंधन की स्थिति में सीटों का बंटवारा समान अनुपात में किया जाए।

शरद पवार गुट की पहली सूची

सोलापुर महानगरपालिका चुनाव को लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने अपनी पहली उम्मीदवार सूची जारी की है। पहली सूची में छह उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए हैं। महिला अध्यक्ष और पूर्व नगरसेविका सुनीता रोटे को फिर मौका मिला है, जबकि अन्य पांच उम्मीदवार पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं। महाविकास आघाड़ी के तहत सोलापुर में शरद पवार गुट को 20 सीटें मिली हैं, जिनमें से छह की घोषणा हो चुकी है।

सम्पादकीय

हिंदुओं को क्यों मिल रही है 'दीपू दास जैसा हाल' किए जाने की धमकी, कौन देता है ऐसे विचारों को शक्ति?

बांग्लादेश में दीपू दास नाम के हिंदू युवक की निर्मम और अमानवीय हत्या पर पूरी दुनिया चिंतित है। भारत सरकार हिंदुओं पर हमले को लेकर बांग्लादेश की मोहम्मद युनुस सरकार को चेता चुकी है। भारत ने साफ कहा है कि ऐसी घटनाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस बीच उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के एक मुस्लिम युवक का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

इस युवक ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर आपत्तिजनकर वीडियो पोस्ट किया और हिंदुओं की चेतावनी दी कि वे संभल जाएं अन्यथा बांग्लादेश के दीपू दास जैसा हाल किया जाएगा। वीडियो तुरंत वायरल हो गया। लेकिन यूपी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस युवक को गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि बांग्लादेश में इस्लामिक चरमपंथी भीड़ ने दीपू दास को अमानवीय तरीके से मारकर उसके शरीर को सार्वजनिक रूप से जला दिया था।

सवाल यह है कि उत्तर प्रदेश में तो पूरी तरह शांति और सामाजिक सौहार्द्र बना हुआ है तो फिर इस युवक को यह शक्ति कहां से मिली कि वह बहुसंख्यक हिंदू समुदाय को ऐसी धमकी दे सके? उसे यह भय क्यों नहीं हुआ कि उसके ऐसे वीडियो के बाद उसे तुरंत गिरफ्तार किया जा सकता है? क्या उसे ऐसा लगता है कि राज्य में ऐसी कोई राजनीतिक विचारधारा है जो उसका बचाव करेगी? क्या वह महसूस कर पा रहा था कि एक ऐसी विचारधारा है जो बांग्लादेश में हिंदुओं की निर्मम हत्या पर मौन है? रेहान को पक्का भरोसा क्यों है कि वह विचारधारा उसे आखिरकार बचा लेगी? या फिर वह एक दिन उसे जेल से छुड़ा लेगी? शायद उसके जेहन में ऐसी किसी घटना की याद ताजा है जो शक्ति दे रही थी।

इस विचारधारा को समझना है तो 2012-2013 में तत्कालीन यूपी सरकार के एक फैसले की तरफ देखना चाहिए। तत्कालीन यूपी सरकार ने फैसला किया कि वह 'निर्दोष मुस्लिम युवाओं' पर आतंकवाद के आरोप वापस ले लेगी। सरकार के इस फैसले से इलाहाबाद हाईकोर्ट इतना नाराज हुआ कि उसे यहां तक कहना पड़ा कि 'आज आप इनके खिलाफ केस वापस ले रहे हैं, कल क्या आप इन्हें 'पद्म भूषण' से नवाजेंगे?' कोर्ट ने सवाल किया कि क्या सरकार का यह कदम आतंकवाद को बढ़ावा नहीं देगा और सरकार यह कैसे तय कर सकती है कि कौन आतंकवादी है और कौन नहीं? कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह फैसला केवल अदालत ही कर सकती है। आखिरकार 12 दिसंबर 2013 को हाईकोर्ट की तीन न्यायाधीशों की बेंच ने फैसला सुनाया कि राज्य सरकार केंद्र की अनुमति के बिना उन मामलों को वापस नहीं ले सकती जो केंद्रीय अधिनियमों के तहत दर्ज हैं।

यह सामान्य मामला नहीं था। क्योंकि सरकार जिन आरोपियों से मुकदमे पास लेना चाहती थी वो 2006 में वाराणसी के संकट मोचन मंदिर में जैसे घातक आतंकी हमले के साजिशकर्ता थे। आम जनता को कोर्ट को धन्यवाद कहना चाहिए क्योंकि वाराणसी आतंकी हमले के मास्टरमाइंड वलीउल्लाह को बाद में मृत्युदंड की सजा मिली। अन्य हमलों के कई आरोपियों को आजीवन कारावास जैसी सजा मिली।

सिर्फ अनुमान ही लगाया जा सकता है कि सामाजिक सौहार्द्र के नाम पर तब की यूपी सरकार क्या करने जा रही थी। अगर न्यायालय ने सख्ती न दिखाई होती तो ये आतंकी खुले में घूम रहे होते और न जाने कितने मासूम नागरिकों की हत्या कर चुके होते। यह पूरे राज्य के लिए खतरनाक साबित हो सकता था।

शायद इसी विचारधारा से बागपत के युवक शक्ति मिलती है कि वह ऐसे नफरती वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर पाया। बेखौफ। शायद उसे भरोसा है कि राज्य की राजनीति में उसे कितने भी खतरनाक कृत्य के बावजूद बचाने को तत्पर एक विचारधारा मौजूद है।

शायद उसे यह भी लगता हो कि जो विचारधारा कारसेवकों पर गोली चलवा सकती है, वह उसका बचाव करेगी। उसे संभवतः यह यकीन भी होगा कि जो विचारधारा एड़ी-चोटी का जोर लगाकर एंर्इ जैसी संवैधानिक प्रक्रिया का विरोध कर रही है, वह जरूर उसे बचा लेगी। उस विचारधारा को फर्क नहीं पड़ता चाहे जितने घुसपैठिए देश की सीमाओं में घुस जाएं। बस वोटबैंक सुरक्षित रहना चाहिए।

लेकिन वह एक बात भूल गया। न्याय की चक्की के अलावा यूपी की वर्तमान सरकार की विचारधारा आतंकवाद और अपराध पर बिल्कुल स्पष्ट है। आतंकी मारे जाएंगे, घुसपैठिए भगाए जाएंगे, संविधान का राज कायम रहेगा। न्याय का राज कायम रहेगा। धर्म के आधार पर पक्षपात अब राज्य में बंद हो चुका है।

अरावली पर्वतश्रृंखला पर जारी सियासत के बीच सजग हुई सरकार से जगी उम्मीदें

दिल्ली-एनसीआर के लिए प्राकृतिक वरदान समझी जाने वाली अरावली पर्वतश्रृंखला पर चल रहे विरोध प्रदर्शनों के दृष्टिगत और प्रस्तावित अरावली सत्याग्रह के बीच केंद्र सरकार ने विभिन्न राज्यों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि इस पर्वतमाला क्षेत्र में अब किसी भी प्रकार के नए खनन पट्टे (माइनिंग लीज) जारी न किए जाएं। इससे साफ है कि अरावली पर्वतश्रृंखला पर जारी सियासत के दृष्टिगत केंद्र सरकार अब सजग हो चुकी है और जनहित के मद्देनजर आवश्यक दिशानिर्देश जारी किया है। इससे अरावली पर्वतश्रृंखला में जैव विविधता के संरक्षण की उम्मीद भी बढ़ी है। यदि वाकई ऐसा होता है तो देश की राजधानी नई दिल्ली के लिए यह शुभ कदम होगा। यहां के जल संरक्षण, वायु संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण आदि की दिशा में इसके सकारात्मक प्रभाव जल्द दिखेंगे।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने गत बुधवार को इस बारे में एक नया आदेश जारी किया है, जिसमें स्पष्ट किया हुआ है कि यह प्रतिबंध गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली तक फैली पूरी अरावली श्रृंखला पर समान रूप से लागू होगा। मंत्रालय के मुताबिक, यह फैसला अरावली को पर्वतमाला के रूप में सुरक्षित रखने और इसके आसपास चल रहे अवैध खनन पर पूरी तरह से रोक लगाने के मकसद से लिया गया है। लगे हाथ सरकार ने भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद (घ्ण्ई) को यह भी निर्देश दिया है कि वह पूरे अरावली रीजन में ऐसे जोन की पहचान करे, जहां खनन पर पूरी तरह से बैन लगाया जाना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि माननीय सुप्रीम कोर्ट ने हाल में कहा था कि आसपास की जमीन से कम से कम 100 मीटर ऊंचे हिस्से को ही अरावली पहाड़ी माना जाएगा। इसप्रकार इस नए मानक से कई ऐसी पहाड़ियों पर खनन का डर पैदा हुआ, जो 100 मीटर से छोटी और झाड़ियों से ढकी हुई है। यही वजह है कि पर्यावरण प्रेमियों ने इसे मुद्दा बना दिया और राजनीतिक दलों के मुखर होने से विरोध तेज हुआ। हालांकि अरावली सत्याग्रह की हवा निकालने के लिये केंद्र सरकार ने समय रहते ही समुचित कदम उठा लिए। साथ ही इसके इर्द-गिर्द पुनः हरियाली वापस लाने के उपाय करने के दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

वहीं, केंद्र सरकार ने भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद को अरावली क्षेत्र में सतत खनन के लिए वैज्ञानिक योजना बनाने का निर्देश दिया है। लिहाजा, यह वैज्ञानिक योजना ही अब देखेगी कि खनन का प्रकृति पर कितना बुरा असर पड़ रहा है और अरावली क्षेत्र कितना भार सह सकता है। जहा खनन हो चुका है, उन क्षेत्रों को फिर से सुधारने और वहां पर हरियाली वापस लाने के उपाय किए जाएंगे। यह दूरदर्शिता भरा कदम है जो सराहनीय है।

पर्यावरण और वन मंत्रालय ने यह भी निर्देश दिया है कि जो खदाने पहले से संचालित है, उनके लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुरूप सभी पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों का राज्य सख्ती से पालन कराए जाएं। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि मौजूदा खनन गतिविधियों को भी कड़े नियमों और अतिरिक्त प्रतिबंधों के तहत कंट्रोल किया जाएगा।

बताते चलें कि अरावली अस्तित्व संकट मुख्य रूप से अवैध खनन और पर्यावरणीय क्षरण से जुड़ा है, जो 1990 के दशक में शुरू हुआ। इस दौरान राजस्थान, हरियाणा और गुजरात में खनन गतिविधियों से पहाड़ियों को भारी नुकसान पहुंचा। अरावली पर्वतमाला में अवैध खनन की शिकायतें 1990 के दशक से बढ़ने लगीं, जब संगमरमर और ग्रेनाइट जैसे खनिजों के दोहन से पर्यावरण, जल संकट और वायु प्रदूषण उभरा।

अलबत्ता 1992 में सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार हस्तक्षेप कर कुछ क्षेत्रों में खनन रोका। वहीं 2002 में सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी ने हरियाणा और राजस्थान में पूर्ण खनन प्रतिबंध लगाया। ततपश्चात 2003 का विवादास्पद मर्फी फॉर्मूला लागू हुआ, जिसने 100 मीटर से कम ऊंचाई वाली पहाड़ियों को खनन योग्य घोषित किया। पुनः बढ़ते विरोध के मद्देनजर 2009 में हरियाणा के कई जिलों में स्थायी प्रतिबंध लगा। जहां तक इसे मुद्दे पर हालिया विकास की बात है तो नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने अरावली की नई परिभाषा (100 मीटर ऊंचाई) मंजूर की, जिससे खनन का खतरा फिर बढ़ गया है। यह थार रेगिस्तान के विस्तार और दिल्ली-एनसीआर के पर्यावरण को प्रभावित कर सकता है।

अरावली में अवैध खनन मुख्य रूप से 1990 के दशक से तेजी से बढ़ा, जब संगमरमर, ग्रेनाइट और चूना पत्थर जैसे खनिजों की मांग बढ़ने लगी। यह राजस्थान, हरियाणा और गुजरात की सीमाओं पर जंगलों के बीच गुप्त सड़कों और रात के अंधेरे में विस्फोटों के जरिए फैला। इसके बढ़ोतरी के कारण खनन माफियाओं ने स्थानीय प्रशासन की मिलीभगत से जंगल काटे, डंपरों के लिए रास्ते बनाए और सप्ताहांतों पर बड़े पैमाने पर ब्लास्टिंग की।

आंकड़े बताते हैं कि 1975 से 2019 तक अरावली की 8इ पहाड़ियां गायब हो चुकीं थीं, जिसमें अवैध खनन की मुख्य भूमिका रही। 2018 तक राजस्थान में 25इ अरावली प्रभावित क्षेत्र नष्ट हो चुका। नूह, चित्तौड़ा जैसे इलाकों से 8 करोड़ मीट्रिक टन से अधिक सामग्री गायब। आलम यह रहा कि सुप्रीम कोर्ट के प्रतिबंधों के बावजूद सरिस्का जैसे संरक्षित क्षेत्रों में जारी। वहीं, हालिया स्थिति यह है कि 2024-2025 में हरियाणा-राजस्थान सीमा पर 30 से अधिक गांवों में खनन माफिया सक्रिय, जिससे धूल भरी आंधियां और दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण बढ़ा। इससे सतर्क हुए एनजीटी ने कई बार जांच के आदेश दिए।

देखा जाए तो अरावली संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित जिले राजस्थान, हरियाणा और गुजरात के सीमावर्ती क्षेत्रों में हैं, जहां अवैध खनन ने पहाड़ियों को नष्ट किया। राजस्थान के जिले अलवर, जयपुर, सीकर और उदयपुर जैसे जिले सबसे अधिक प्रभावित हुए, जहां सरिस्का टाइगर रिजर्व के आसपास खनन माफिया सक्रिय रहे। यहां 1990 से 25इ क्षेत्र नष्ट हो चुका। वहीं, हरियाणा के जिले नूह (मेवात), गुरुग्राम, महेंद्रगढ़ और रेवाड़ी में 30 से अधिक गांव खनन से तबाह, धूल भरी आंधियां दिल्ली-एनसीआर तक पहुंचीं। वहीं गुजरात के जिले साबरकांठा और बनासकांठा जिलों में चूना पत्थर खनन से अरावली का बड़ा हिस्सा गायब। कुल मिलाकर, इन जिलों में 1975-2019 तक 8इ पहाड़ियां समाप्त हो चुकीं।

दर्द किसी को मजबूत बनाता है, किसी को तोड़ देता है; किस बात का है फर्क?

मनुष्य का जीवन केवल घटनाओं की श्रृंखला नहीं है, बल्कि अनुभूतियों की एक सतत् और गहन यात्रा है। इस यात्रा में सुख जितना क्षणिक होता है, वेदना उतनी ही गहरी और स्थायी अनुभूति के रूप में सामने आती है। संघर्ष, असफलता, हानि और अपूर्णता- ये सभी जीवन को केवल चुनौती नहीं देते, बल्कि उसके अर्थ पर प्रश्न भी खड़े करते हैं। प्रत्येक अनुभव अपने भीतर वेदना का बीज लिए होता है, लेकिन यह वेदना स्वयं में लक्ष्य नहीं है। उसका वास्तविक मूल्य तभी प्रकट होता है, जब वह चेतना में रूपांतरित हो जाती है।

चेतना वह दृष्टि है, जो वेदना को केवल सहने योग्य नहीं, बल्कि समझने योग्य बनाती है। बिना चेतना के वेदना अंधकार है- दिशाहीन, बोझिल और अर्थहीन। मगर चेतना के स्पर्श से वही वेदना आत्मबोध, विवेक और जीवनदर्शन का स्रोत बन जाती है। इतिहास, दर्शन और मानव अनुभव बार-बार इस सत्य की पुष्टि करते हैं कि केवल पीड़ा से महानता नहीं जन्म लेती, बल्कि पीड़ा को समझने की क्षमता से मनुष्य ऊंचा उठता है। इसी गहन सत्य की अभिव्यक्ति है यह कथन- 'वेदना बगैर चेतना दुर्लभ है।'

दार्शनिक दृष्टि से वेदना केवल पीड़ा नहीं, बल्कि जीवन की गूंज है। वह हमारे भीतर प्रश्न, जिज्ञासा और आत्मनिरीक्षण को जन्म देती है। चेतना ही वह माध्यम है, जो वेदना को साधारण अनुभव से ऊपर उठाकर व्यक्तित्व, विवेक और जीवन दर्शन में रूपांतरित करती है। महात्मा बुद्ध ने जीवन की सार्वभौमिक पीड़ा- जन्म, मृत्यु, रोग और वृद्धावस्था- का साक्षात्कार कर उसे करुणा और आत्म-ज्ञान की चेतना में बदला। इसी प्रकार महर्षि पतंजलि ने चित्त-वृत्तियों के संघर्ष को योगदर्शन में रूपांतरित किया और आदिकवि वाल्मीकि ने अपने जीवन की हिंसा और अवमानना को करुणा तथा काव्य की चेतना में ढाल दिया।

इतिहास में अनेक ऐसे प्रसंग मिलते हैं जहां पराजय, अपमान और कष्ट केवल दुख बनकर नहीं रुके, बल्कि चेतना का स्रोत बने। यूनानी दार्शनिक सुकरात ने मृत्यु-दंड को भी सत्य और विवेक की साधना में बदल दिया। कबीर ने सामाजिक तिरस्कार और उपेक्षा को आत्मबोध तथा निर्भीक वैचारिक चेतना का माध्यम बनाया। इन उदाहरणों से स्पष्ट होता है कि चेतना वेदना से पलायन नहीं सिखाती, बल्कि उसे समझकर पार करने की शक्ति देती है।

जीवन में प्रत्येक चुनौती, असफलता और कठिनाई वेदना का अनुभव कराती है- चाहे वह शारीरिक चोट हो, मानसिक संताप, सामाजिक असमानता या आर्थिक हानि। अगर इन अनुभवों को केवल दुख या शिकायत के रूप में स्वीकार कर लिया जाए, तो वे निरर्थक बोझ बन जाते हैं, लेकिन जब वही अनुभव आत्मचिंतन का कारण बनते हैं, तब वे हमारे दृष्टिकोण, निर्णय और आचरण को परिष्कृत करते हैं। यही वह क्षण होता है, जब वेदना चेतना में रूपांतरित होती है।

चेतना केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं रहती, वह सामाजिक और नैतिक दायित्व का रूप भी ग्रहण करती है। इतिहास गवाह है कि जिन समाजों ने अपने सामूहिक दुख को समझा और उसका विवेकपूर्ण विश्लेषण किया, उन्होंने परिवर्तन और पुनर्निर्माण का मार्ग चुना। इसके विपरीत, जहां पीड़ा केवल क्रोध, प्रतिशोध या पलायन में बदल गई, वहां विनाश और विघटन ही परिणाम बना। इस प्रकार चेतना, वेदना को सृजनात्मक शक्ति में रूपांतरित कर देती है।

आखिर में यह स्पष्ट हो जाता है कि वेदना से मुक्त जीवन की कल्पना अवास्तविक है, लेकिन चेतना-विहीन जीवन निश्चय ही अर्थहीन है। वेदना मनुष्य को तोड़ भी सकती है और गढ़ भी सकती है- यह अंतर केवल चेतना का है। इतिहास के महान व्यक्तित्व, दार्शनिक चिंतक और सामाजिक परिवर्तनकर्ता इसलिए स्मरणीय हैं, क्योंकि उन्होंने अपनी पीड़ा को पलायन या प्रतिशोध में नहीं, बल्कि आत्मबोध, उत्तरदायित्व और करुणा में बदला।

वेदना जब केवल सहन की जाती है, तो वह बोझ बनती है, जब समझी जाती है, तो वही चेतना बन जाती है। यही चेतना मनुष्य को उसके निजी दुख से ऊपर उठाकर सामाजिक संवेदना, नैतिक दृष्टि और मानवीय करुणा से जोड़ती है। बिना चेतना के अनुभव केवल स्मृतियां होते हैं, लेकिन चेतना से युक्त अनुभव इतिहास बन जाते हैं। इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि वेदना जीवन की अपरिहार्यता है, पर चेतना उसका उत्कर्ष। चेतना ही वह दीपक है, जो वेदना के अंधकार में अर्थ, दिशा और आशा का प्रकाश भरता है। जब तक मनुष्य वेदना को समझने का साहस नहीं करता, तब तक वह केवल पीड़ित रहता है, लेकिन जिस क्षण वह उसे चेतना में रूपांतरित कर लेता है, उसी क्षण वह सचेत, जाग्रत और पूर्ण मनुष्य बन जाता है।

यही कारण है कि वेदना बगैर चेतना, न केवल दुर्लभ है, बल्कि मानवीय गरिमा और विकास की कसौटी भी है। इस दृष्टि से देखा जाए, तो आधुनिक समय की सबसे बड़ी चुनौती वेदना की अधिकता नहीं, बल्कि चेतना की न्यूनता है। सूचना, गति और उपलब्धियों से भरे इस युग में मनुष्य अनुभव तो बहुत करता है, पर उन्हें आत्मसात करने का अवकाश खोता जा रहा है। परिणामस्वरूप वेदना संचित होती जाती है, लेकिन चेतना में रूपांतरित नहीं हो पाती। ऐसे में आवश्यक है कि व्यक्ति ठहरकर देखे, अनुभवों पर विचार करे और उनसे संवाद स्थापित करे। यही ठहराव, यही आत्मसंवाद वेदना को चेतना में बदलने की प्रक्रिया है, जो मनुष्य को केवल जीवित नहीं, बल्कि जाग्रत बनाती है।

ग्रीन हाइड्रोजन से बदलेगी भारत की ऊर्जा तस्वीर 2047 की दौड़ में सरकार तेज; सेहत पर दिखेगा सीधा असर

केंद्र सरकार ऊर्जा की कमी को पूरा करने के लिए हरित हाइड्रोजन को बढ़ावा दे रही है। सरकार का लक्ष्य है, हर वर्ष 50 लाख टन हरित हाइड्रोजन के जरिए ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करना। गौरतलब है हरित हाइड्रोजन उद्योग जिस तरह बड़े पैमाने पर स्थापित हो रहे हैं, ऐसे में उच्च क्षमता वाला बिजली उत्पादन और विभिन्न क्षेत्रों में ऊर्जा की आपूर्ति हासिल करना मुश्किल नहीं होगा।

वर्तमान में वैश्विक हाइड्रोजन आपूर्ति के लिए जो विधि उपयोग में लाई जा रही है, वह सुगम और सस्ती है। मगर वहीं पर हाइड्रोजन ऊर्जा की आपूर्ति के आंकड़े वर्तमान में सीमित हैं, क्योंकि दुनिया में करीबन 96 फीसद हाइड्रोजन हाईड्रोकार्बन से पैदा होती है। इसमें महज तकरीबन चार फीसद बिजली के इलेक्ट्रोलिसिस (विद्युत अपघटन) द्वारा तैयार की जाती है। भारत सरकार चाहती है कि जब तक हर गांव और बाजार-मुहल्ले की ऊर्जा जरूरतें इसके जरिए न पूरी होने लगें, तब तक इसके लिए लगातार कोशिश करते रहना चाहिए। इससे जागरूकता आएगी और लोग हाइड्रोजन ईंधन की महत्ता को भी समझने लगेंगे।

हाइड्रोजन आने वाले वक्त का ऊर्जा आपूर्ति का आधार बनेगा। हरित हाइड्रोजन में कार्बन उत्सर्जन कम करने और ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने की अपार क्षमता है। यह परिवहन और उद्योग में पारंपरिक जीवाश्म ईंधन की जगह ले सकता है, जो ऊर्जा का एक निरंतर और विश्वसनीय स्रोत होगा। कह सकते हैं कि जीवाश्म ईंधन में कमी लाने वाला ऊर्जा विकल्प का सबसे बेहतर स्रोत हरित हाइड्रोजन बनने जा रहा है। आने वाले समय में शायद हर क्षेत्र में इसका इस्तेमाल होगा। जिंदगी को अधिक सुगम बनाने के लिए इसका उपयोग समाज के प्रत्येक वर्ग की जिंदगी को प्रभावित करेगा।

उत्तर प्रदेश जैसे कुछ बड़े राज्य स्वच्छ किफायती और टिकाऊ ऊर्जा के लिए बड़े सोलर पार्क, हरित हाइड्रोजन, विकेंद्रीकृत ऊर्जा, और माइक्रो ग्रिड के जरिए ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने पर खास जोर दे रहे हैं। राज्य सरकार ने 2047 तक इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए विशेषज्ञों के साथ मिल कर आगे की कार्ययोजना तैयार की है। इसी तरह की योजना देश के सभी राज्यों को तैयार करनी होगी, क्योंकि कार्बन-मुक्त ऊर्जा पैदा करने के लिए जैव ऊर्जा सबसे किफायती है। इससे बेहतर दूसरा कोई विकल्प नहीं है। हरित हाइड्रोजन में कई संभावनाएं छिपी हैं।

दरअसल, ऊर्जा क्षेत्र में कमी को पूरा करने के लिए सरकार हरित हाइड्रोजन को बढ़ावा दे रही है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार वैश्विक क्षमताओं के बीच भारत को अपने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन के मिशन के माध्यम से 2030 तक 50 लाख टन (एमएमटी) वार्षिक हरित हरित हाइड्रोजन क्षमता हासिल करने के लिए मेहनत करनी होगी। इसके लिए केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2023-24 से 2030 तक राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन लागू करने के लिए 19.744 करोड़ का परिव्यय मंजूर कर चुकी है। इससे देशभर में हाइड्रोजन ईंधन को बढ़ावा दिया जाएगा। यह पारंपरिक जीवाश्म ईंधन की जगह ले सकता है, जो ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में महत्त्वपूर्ण योगदान देता है।

हरित हाइड्रोजन पर तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बताया गया कि भारत निर्धारित लक्ष्य हासिल कर लेगा। यह इसलिए महत्त्वपूर्ण है कि 2023 में शुरू किए गए राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत भारत ने 2030 तक हरित हाइड्रोजन की वार्षिक उत्पादन क्षमता जोड़ने की वार्षिक उत्पादन क्षमता 50 लाख टन रखी है। इससे यह अनुमान लगाया गया है कि ऊर्जा की कमी जिन क्षेत्रों में दिखाई दे रही है, उन सभी क्षेत्रों में इसका इस्तेमाल करके इस कमी को पूरा किया जा सकता है।

भारत ने वर्ष 2047 तक ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने के लक्ष्य की घोषणा की है। इन लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में हरित हाइड्रोजन महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसका उत्पादन कई नजरिए से खास है। पर्यावरणीय मानकों पर यह सबसे खरा उतरता है, क्योंकि हरित हाइड्रोजन का उत्पादन, इलेक्ट्रोलिसिस द्वारा किया जाता है। इस प्रक्रिया में सौर, पवन या जलविद्युत जैसे अक्षय स्रोतों से उत्पन्न बिजली का इस्तेमाल कर पानी को आक्सीजन और हाइड्रोजन में विभाजित किया जाता है। इस प्रक्रिया के परिणामस्वरूप स्वच्छ और उत्सर्जन-मुक्त ईंधन प्राप्त होता है। इसमें जीवाश्म ईंधन को प्रतिस्थापित करने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने की अपार क्षमता है।

दुनियाभर में परिवहन, पत्तन और स्टील सहित कई क्षेत्रों को कार्बन-मुक्त करने के लिए हाइड्रोजन की मांग तेजी से बढ़ रही है। विशेषज्ञों के अनुसार भारत में हाइड्रोजन का अकूत भंडार है. जिससे दो सौ वर्ष से ज्यादा समय के लिए जरूरी ऊर्जा के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि हाइड्रोजन का इस्तेमाल नए आविष्कारों के जरिए घरेलू उपयोग के लिए जल्द ही सुलभ हो सकता है। नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़ने की वार्षिक आवश्यकता के बारे में बताया गया है कि भारत बिजली खरीद या बिक्री समझौतों पर हस्ताक्षर के लिए पहले से ही लंबित 40 गीगावाट क्षमता पर ध्यान केंद्रित करेगा। यह भी बताया गया है कि वर्तमान में कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में 160 गीगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं प्रक्रियाधीन हैं। भारत को वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य हासिल करने के लिए हर साल कम से कम 50 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़नी होगी।

अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों की शुरुआती परियोजनाओं के लिए नए प्रस्ताव आमंत्रित किए जा चुके हैं। इसमें सौ करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ हरित हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए जैविक पदार्थ का उपयोग शामिल है। हरित हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए जैविक पदार्थों के उपयोग सहित अत्याधुनिक तकनीक को जोड़ा जाएगा। इन परियोजनाओं के लिए कुल सौ करोड़ रुपए का आबंटन किया गया है जो एनजीएचएम के तहत नवउद्यम योजनाओं के लिए पहले से आबंटित सौ करोड़ रुपए के अतिरिक्त है। गौरतलब है एनजीएचएम का उद्देश्य भारत को हरित हाइड्रोजन के उत्पादन, उपयोग एवं निर्यात का वैश्विक केंद्र बनाना है। इसका परिव्यय 19, 744 करोड़ रुपए है। साथ ही इसका लक्ष्य 125 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता, आठ लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश और छह लाख से अधिक हरित रोजगार उत्पन्न करना भी है। रोजगारपरक होने की वजह से इस क्षेत्र में रोजगार की बेहतर संभावनाएं हैं। इसलिए सरकार इस क्षेत्र को प्राथमिकता दे रही है।

ऊर्जा जरूरतों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार हाइड्रोजन सहित सौर ऊर्जा, जल विद्युत ऊर्जा या पवन ऊर्जा को बढ़ावा देने में जुटी है, इनसे आने वाले वक्त में कई क्षेत्र में ऊर्जा की कमी से कार्यों में आने वाली रुकावटों से निजात मिलेगी। इससे सबसे बड़ा फायदा पर्यावरणीय समस्याओं से निजात पाने में दिखाई देगा। देश के बड़े शहरों, नगरों और कस्बों में कार्बन और धूल प्रदूषण से बीमारियों सहित होने वाली तमाम परेशानियों से लोग बचेंगे। इससे अरबों रुपए बचेंगे।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त विशेष रोल प्रेक्षक द्वारा एसआईआर के अंतर्गत मतदाता सूची से संबंधित कार्यों का किया स्थलीय निरीक्षण एवं सत्यापन

औराई गांव में भ्रमण कर एएसडीडी के अंतर्गत मतगणना प्रपत्र में बीएलओ द्वारा भरे गए मृतक का किया स्थलीय सत्यापन जांच

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विंध्याचल मंडल के लिए नियुक्त विशेष रोल प्रेक्षक सिद्धार्थ जैन (संयुक्त सचिव, मिनिस्ट्री ऑफ़ कोऑपरेशन, भारत सरकार) द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर 2026 के अंतर्गत जनपद भदोही में मतदाता सूची से संबंधित कार्यों का स्थलीय निरीक्षण एवं सत्यापन किया गया। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेष कुमार उनके साथ उपस्थित रहे।

विशेष रोल प्रेक्षक द्वारा काशीराज महाविद्यालय इंटर कॉलेज, औराई में स्थित विभिन्न मतदान केंद्रों (बूथ संख्या 200, 201 एवं 202) एवं उमापुर प्राथमिक विद्यालय बूथ संख्या 183, 184 पर तैयार की जा रही ड्राफ्ट निर्वाचक नामावली का गहन अभिलेखीय परीक्षण/सत्यापन किया गया। निरीक्षण के दौरान मतदाता पंजीकरण से संबंधित अभिलेखों, बीएलओ द्वारा किए गए प्रविष्टियों, फार्मों की स्थिति, अद्यतन कार्य, आपत्तियों एवं दावों की प्रक्रिया आदि की बारीकी से जांच की गई। विशेष रोल प्रेक्षक ने निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक सुझाव एवं निर्देश भी दिए। इसके उपरांत विशेष रोल प्रेक्षक द्वारा औराई गांव का भ्रमण कर एएसडीडी के अंतर्गत मतगणना/निर्वाचक प्रपत्रों में बीएलओ द्वारा मृतक के रूप में अंकित मतदाताओं का स्थलीय सत्यापन किया। इस दौरान संबंधित अभिलेखों, स्थानीय स्तर पर प्राप्त सूचनाओं एवं प्रमाणों का मिलान कर सत्यापन की प्रक्रिया की पारदर्शिता एवं शुद्धता की समीक्षा की गई। भ्रमण एवं निरीक्षण के उपरांत विशेष रोल प्रेक्षक द्वारा मंडलायुक्त विंध्याचल, मीरजापुर के कार्यालय सभागार में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेष कुमार, उप जिला निर्वाचन अधिकारी कुंवर वीरेंद्र मौर्य सहित समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) ज़ूम माध्यम से जुड़े रहे। बैठक के दौरान विशेष रोल प्रेक्षक ने मतदाता सूची के शुद्धीकरण, समावेशन, विलोपन एवं संशोधन की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की तथा राजनीतिक दलों एवं नागरिकों से प्राप्त सुझावों एवं समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने आश्वस्त किया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप त्रुटिरहित, पारदर्शी एवं समावेशी निर्वाचक नामावली तैयार करना आयोग की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा भी जनपद में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यों की प्रगति से अवगत कराते हुए बताया गया कि पात्र कोई भी मतदाता सूची से वंचित न रहे तथा अपात्र प्रविष्टियों को समयबद्ध ढंग से हटाया जाए, इसके लिए प्रशासन पूर्ण तत्परता से कार्य कर रहा है। बैठक का समापन निर्वाचन प्रक्रिया में सभी हितधारकों की सक्रिय सहभागिता एवं सहयोग की अपील के साथ किया गया। निरीक्षण में ईआरओ श्याम मणि त्रिपाठी, तहसीलदार सुनील कुमार, बीडीओ दिलीप कुमार व अन्य उपस्थित रहे।

सुबह की हवा सौ रोगों की दवा साइकिलिंग से स्वस्थ समाज का संदेश

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य के प्रति जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से भदोही साइकिलिंग क्लब द्वारा रविवार को विशाल साइकिल यात्रा निकाली गई। यात्रा का नेतृत्व क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष अताउल मुस्तफा अंसारी ने किया। बड़ा चौराहा से शुरू हुई यह यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए अपर पुलिस अधीक्षक भदोही शुभम अग्रवाल, आईपीएस के आवास पहुंची, जहां उन्होंने साइकिल चालकों का स्वागत किया और स्वयं साइकिल चलाकर अभियान में सहभागिता की। इस अवसर पर एएसपी शुभम अग्रवाल ने कहा कि सुबह की ताज़ी हवा में किया गया व्यायाम स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी होता है, साइकिलिंग से न केवल शरीर स्वस्थ रहता है बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी अहम योगदान मिलता है। नारे लगाते हुए साइकिल यात्रा का समापन पुलिस लाइन में हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं और समाजसेवियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा में प्रवीण श्रीवास्तव, पंकज सिंह, बनारसी बिंद, जगदीश यादव, सरफराज अहमद, संजय उपाध्याय, श्याम सुंदर बिंद, शहजाद आलम सहित अनेक लोग शामिल रहे।

पुलिस लाइन ज्ञानपुर में रिक्रूट आरक्षियों के हथियार प्रशिक्षण का निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने पुलिस लाइन ज्ञानपुर में रिक्रूट आरक्षियों को दिए जा रहे हथियार प्रशिक्षण का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने इनसास राइफल, एके-47 सहित अन्य असलहों की असेंबली-डिसअसेंबली, ड्रिल एवं हथियार हैंडलिंग की प्रक्रिया को बारीकी से देखा और रिक्रूट आरक्षियों का उत्साहवर्धन किया।

अपर पुलिस अधीक्षक ने प्रशिक्षकों को निर्देश दिए कि रिक्रूटों को हथियारों के रख-रखाव, सुरक्षित हैंडलिंग तथा त्वरित असेंबली-डिसअसेंबली में पूर्ण दक्षता दिलाई जाए, ताकि फील्ड में तैनाती के दौरान वे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में प्रभावी ढंग से ड्यूटी निभा सकें। उन्होंने रिक्रूट आरक्षियों से संवाद करते हुए कहा कि अनुशासन, शारीरिक फिटनेस और हथियार प्रशिक्षण पुलिस बल की रीढ़ हैं।

निरीक्षण के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले रिक्रूटों को पुरस्कृत किया गया तथा फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए 50 पुश-अप का मैत्री मुकाबला भी कराया गया। अंत में उन्होंने सभी रिक्रूटों को कड़ी मेहनत करने और जनता की सेवा व सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने की शुभकामनाएं दीं।

कोइरौना पुलिस टीम द्वारा गांजा तस्करी में लिप्त अभियुक्त गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। मुखबिरी सूचना के आधार पर बीएचयू कैम्पस के पास हैदराबाद गेट थाना लंका कमिश्नरेट वाराणसी से मु0अ0संख्या-158/2024 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट थाना गोपीगंज जनपद भदोही से संबंधित अवैध गांजा तस्करी में लिप्त वांछित अभियुक्त हरिशंकर गिरी उर्फ राजू गिरी पुत्र उमाशंकर गिरी निवासी गनेश बिहार कालोनी थाना शिवपुर कमिश्नरेट वाराणसी स्थायी पता ग्राम बहादुरपुर सफार (भोकरौध) थाना जमालपुर जिला मीरजापुर उम्र करीब 35 वर्ष को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। पूर्व में अभियुक्त के गिरोह के 06 गिरफ्तारशुदा गांजा तस्करों के कब्जे से दो लग्जरी चार पहिया वाहनों (हुंडई वरना व स्विफ्ट डिजायर कार) में छिपाकर ले जा रहे 04 बोरियों में कुल-72.300 कि0ग्रा0 नाजायज गांजा कीमती करीब 22 लाख रुपए तथा 06 अदद एंड्राइड मोबाइल फोन, 01 अदद टैबलेट, 5 आधार कार्ड व 1, 680/- रुपए नगद बरामद किया गया था।

गांधी पार्क में कांग्रेस का 141वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

मंत्र भारत संवाददाता

ज्ञानपुर। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 141वां स्थापना दिवस रविवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ज्ञानपुर द्वारा नगर के गांधी पार्क में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, जिसमें कांग्रेसजनों ने देश की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों पर चिंता व्यक्त करते हुए पार्टी की नीतियों और विचारधारा पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र कुमार दूबे राजन रहे, जबकि अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष महेश चंद्र मिश्र ने की और संचालन ज्ञानपुर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सुरेश चंद्र मिश्र ने किया। इस अवसर पर डॉ. राजेंद्र कुमार दूबे ने संवैधानिक संस्थाओं की मजबूती और लोकतंत्र की रक्षा पर जोर देते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं से सजग और संघर्षशील रहने का आह्वान किया। अन्य वक्ताओं ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा चलाए जा रहे संविधान बचाओ अभियान का समर्थन करते हुए लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकजुट होने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुआ तथा समापन वंदे मातरम और राष्ट्रगान के साथ किया गया। इस दौरान जनपद के प्रमुख समाचार पत्रों के पत्रकारों सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेता सत्येंद्र प्रकाश तिवारी एवं सुरेश चंद्र उपाध्याय को शाल भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राजेश्वर दूबे, जान मुहम्मद, विमल मालवीय, नितिन सिंह, मुकेश दूबे, दिनेश मिश्र, आशीष, संतोष कुमार सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यूनियन बैंक सुरियावा के बैंक मित्र राकेश सिंह को उत्कृष्ट कार्य के लिएजोन में मिला प्रथम स्थान

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही, सुरियावां। यूनियन बैंक शाखा सुरियावा के बैंक मित्र राजेंद्र सिंह को मिशन सुरक्षा में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए जनपद में प्रथम स्थान एवं प्रदेश में स्थान बनाने वाले राजेंद्र प्रसाद सिंह एक मिशाल कायम किया जिससे अन्य बैंक मित्र को कार्य करने वाले एक प्रेरणादायक है जिस शाखा सुरियावां का नाम भी उज्जवल हुआ है जो की चर्चा का विषय बना हुआ है शाखा प्रबंधक यूनियन बैंक आफ इंडिया सुरियावा ने बताया कि हमारे शाखा के लिए यह एक गौरव की बात है डिप्टी शाखा प्रबंधक योगेश यादव ने बताया कि अपनी मेहनत वही ईमानदारी की वजह से ही इस मुकाम पर पहुंचे हैं ग्राम सभा पट्टी पर जो निवासी राजेंद्र प्रसाद सिंह पुरानी बाजार नेता नगर बाईपास पर एटीएम व यूनियन बैंक की फ्रेंचाइजीके माध्यम से सुबह 9:00 से रात 9:00 बजे तक ग्राहकों को लगातार सेवा देते हैं अपने नववर्ष के सेवा काल में इनका सेंटर कभी बंद नहीं हुआ जिससे ग्राहकों का भरोसा लगातार बना हुआ है।

60वीं यूपी राज्य क्रॉस कंट्री चैम्पियनशिप के लिए भदोही टीम का चयन

काशी नरेश खेल परिसर में हुआ ट्रायल, 4 जनवरी को झांसी में दिखाएंगे दम

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। 60वीं उत्तर प्रदेश राज्य क्रॉस कंट्री एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए भदोही जनपद की एथलेटिक्स टीम का चयन रविवार को काशी नरेश खेल कॉम्प्लेक्स हॉस्टल ग्राउंड में आयोजित ट्रायल के माध्यम से किया गया। सुबह 9 बजे से शुरू हुए ट्रायल में भदोही जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के खेल सचिव कैलाश नाथ पाल द्वारा खिलाड़ियों का चयन किया गया, जो अंतरराष्ट्रीय कोच मोहम्मद रुस्तम खान की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। चयनित खिलाड़ियों में 16 वर्ष बालक वर्ग से शिवा बिंद, अजय व आशीष पाल, 18 वर्ष वर्ग से अंकित चौधरी, अमन सिंह, पीयूष व आज़ाद, 20 वर्ष बालिका वर्ग से वर्तिका पटेल, सीनियर बालक वर्ग से अजय कुमार बिंद, जुगेश कुमार बिंद, हरिश्चंद्र यादव व किशन कुमार बिंद तथा सीनियर बालिका वर्ग से ममता राजभर, गुड़िया, यमुना व साधना शामिल हैं। चयनित सभी खिलाड़ी 4 जनवरी 2026 को झांसी में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय चैम्पियनशिप में भदोही जनपद का प्रतिनिधित्व करेंगे, जबकि ट्रायल के दौरान निर्णायक के रूप में श्याम बिहारी मौर्य एवं राकेश पाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहें।

19 फेलोज सुपर किंग बनी भदोही प्रीमियर लीग सीजन-4 की विजेता

भदोही। भदोही प्रीमियर लीग (ँइ्थ) सीजन-4 का रविवार को भव्य समापन हुआ, जहां फाइनल मुकाबला 19 फेलोज सुपर किंग और राजपूत ढाबा के बीच खेला गया। टॉस जीतकर राजपूत ढाबा ने पहले गेंदबाका फैसला किया, जिसमें 19 फेलोज सुपर किंग ने 20 ओवर में 126 रन बनाए, दिलीप कुमार (30 रन) और सुंदरम (26 रन) ने अहम योगदान दिया, जबकि विकास मुनरो ने दो विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजपूत ढाबा की टीम 16.01 ओवर में 86 रन पर ऑलआउट हो गई, जिसमें मोहम्मद अम्मार (21) और हिमांशु (17) ने संघर्ष किया। 19 फेलोज की ओर से विवेक बिंद ने शानदार गेंदबाकरते हुए 3.5 ओवर में मात्र 8 रन देकर 4 विकेट झटके और मैन ऑफ द मैच चुने गए। बेस्ट फील्डर का पुरस्कार शो में प्रताप सिंह, बेस्ट बॉलर विवेक बिंद, बेस्ट बैट्समैन आशुतोष पाल को मिला, जबकि टूर्नामेंट में 182 रन व 13 विकेट लेने वाले दुर्गा चरण शुक्ला को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट घोषित किया गया। विजेता टीम को प्रथम पुरस्कार स्कूटी जीवनदीप हॉस्पिटल के डॉ. ए.के. गुप्ता तथा द्वितीय पुरस्कार 31, 000 प्रियंका जायसवाल द्वारा प्रदान किया गया। समापन अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में डॉ. विजय यादव (कृष्णा सुदामा संस्थान) सहित जिला पंचायत सदस्य अंजनी शुक्ला, शाहिद खान, बीपीएल अध्यक्ष अतुल तिवारी, उपाध्यक्ष शिवम शुक्ला एवं स्कोरर दिनेश जायसवाल उपस्थित रहे।

होटल-ढाबों की आड़ में अनैतिक गतिविधियों से ग्रामीणों में आक्रोश

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। कोतवाली क्षेत्र के लाला नगर टोल प्लाजा, माधोपुर अमवा सहित आसपास के इलाकों में होटल-ढाबों के नाम पर कथित रूप से अनैतिक कार्यों का संचालन किए जाने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ होटल, विशेषकर ओयो होटल, खुलेआम देह व्यापार जैसी गतिविधियों का केंद्र बने हुए हैं, जिससे क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि दिनभर संदिग्ध लोगों का आना-जाना लगा रहता है, जिससे महिलाओं व बच्चों पर गलत प्रभाव पड़ रहा है। इसके अलावा होटल संचालकों द्वारा सर्विस लेन की सड़क तक अतिक्रमण कर लिए जाने से वाहन सड़कों पर खड़े रहते हैं, जिससे आम लोगों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

मामले को लेकर क्षेत्रीय ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही इन होटलों में चल रही अनैतिक गतिविधियों पर रोक नहीं लगाई गई, तो वे प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि ऐसे होटलों की तत्काल जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाए।

इस संबंध में कोतवाली प्रभारी शैलेश राय ने बताया कि राजमार्ग थाना क्षेत्र के अंतर्गत सभी होटल-ढाबा संचालकों को स्पष्ट चेतावनी दे दी गई है। यदि भविष्य में इस तरह की कोई भी शिकायत प्राप्त होती है, तो संबंधित के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

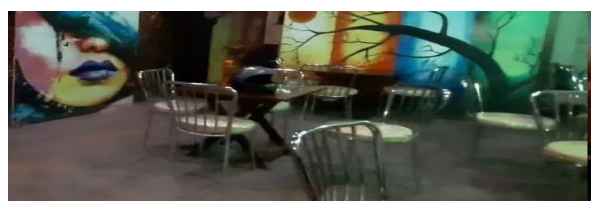

नववर्ष के दृष्टिगत शासन के निर्देश पर एवं जिलाधिकारी भदोही के आदेश पर चलाये जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के क्रम में आबकारी निरीक्षक ज्ञानपुर रजनीश कुमार पाण्डेय, आबकारी निरीक्षक भदोही रोहित कुमार और आबकारी निरीक्षक औराई अनिल कुमार सूर्यभान मय स्टाफ द्वारा मतेथू, औरंगाबाद, भरेशपट्टी स्थित ईंट भट्ठों पर दबिश दी गयी तथा लालानगर टोल प्लाजा पर वाहनों की सघन तलाशी ली गयी। इसके अतिरिक्त कंपोजिट शॉप पाली बाजार व देशी शराब दुकान पाली, डभका, भरेशपट्टी व लालानगर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया और पी0ओ0एस0 मशीन से स्कैनिंग की जांच की गयी। साथ ही उपलब्ध स्टाक का मौके पर भौतिक सत्यापन कर क्यू आर कोड से मिलान किया गया। विक्रेता को नियमानुसार दुकान संचालन हेतु निर्देशित किया गया ।

प्राण प्रतिष्ठा के प्रथम वार्षिक पूजनोत्सव की तैयारियों को लेकर बैठक सम्पन्न

काली माता मंदिर में 13 से 15 जनवरी तक नवचंडी यज्ञ, 16 को विशाल भंडारा

भदोही।सिद्धपीठ बाबा हरिहर नाथ मंदिर स्थित काली माता मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के प्रथम वार्षिक पूजनोत्सव की तैयारियों को लेकर रविवार को मंदिर परिसर में एक आवश्यक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पूज्य आचार्य पं. संतोष महाराज ने बताया कि काली माता की प्राण प्रतिष्ठा के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 13 जनवरी से 15 जनवरी 2026 तक विधि-विधान से नवचंडी यज्ञ का आयोजन किया जाएगा, जिसके साथ भजन-कीर्तन सहित अन्य धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न होंगे।

मंदिर व्यवस्थापक ब्रह्मजीत शुक्ला ने जानकारी दी कि 13 जनवरी को कलश यात्रा के साथ पूजनोत्सव का शुभारंभ होगा, जो 15 जनवरी को हवन के साथ सम्पन्न होगा, जबकि 16 जनवरी को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। बैठक में मंदिर परिसर को फूलों व झालरों से भव्य रूप से सजाने का निर्णय लिया गया।

बैठक में यज्ञाचार्य पं. संतोष महाराज के साथ विधायक शिव कुमार दुबे, रामेश्वर उपाध्याय, गिरिजा शंकर तिवारी (कल्लू), तेगा सिंह, बच्चन शुक्ला, संतोष श्रीवास्तव, प्रदीप मिश्रा (गप्पू), राकेश शुक्ला, वीरेंद्र बागी, विद्यावती देवी, लल्लू मौर्य सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 100 वीं जयंती पर आयोजित

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। राजघाट के गांधी दर्शन परिसर में, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति और यमुना परिवार काउंसिल के संयुक्त तत्वावधान में 'यमुना संगम' का भव्य, प्रेरणादायक और आध्यात्मिक आयोजन सम्पन्न हुआ। यह आयोजन भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती के पावन अवसर पर बिरसा मुंडा लॉन, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति परिसर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम मां यमुना के श्रीचरणों में समर्पित रहा, जिसमें उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश से पधारे यमुना साधकों, सेवकों और श्रद्धालुओं का भावपूर्ण संगम हुआ।

यह आयोजन भारतीय संस्कृति, नदी चेतना और राष्ट्र के प्रति सामूहिक उत्तरदायित्व का जीवंत प्रतीक बन गया। यमुना केवल एक नदी नहीं, बल्कि जीवनदायिनी, संस्कृति वाहिनी और सभ्यता की आत्मा के रूप में स्मरण करते हुए पूरे कार्यक्रम में सेवा, संकल्प और संवेदना की अनुभूति बनी रही। गांधी के सत्य और अहिंसा के विचार तथा अटल की राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत दृष्टि इस आयोजन के मूल भाव में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना का विशेष स्वरूप तब देखने को मिला जब मां यमुना की भव्य महाआरती सम्पन्न हुई। वैदिक मंत्रोच्चार, दीपों की ज्योति और सामूहिक प्रार्थना के साथ सम्पन्न यह आरती यमुना के प्रति कृतज्ञता, समर्पण और संरक्षण के संकल्प का प्रतीक बन गई। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध भजन गायक एवं यमुना भक्त कन्हैया मित्तल के भजनों ने वातावरण को भक्तिरस से सराबोर कर दिया।

युवा सहभागिता का भी इस आयोजन में विशेष महत्व रहा। मिस यूनिवर्स दिल्ली 2025 सुस्मृति छाबड़ा जी, अंतरराष्ट्रीय लेखक एवं मोटिवेटर शिव खेड़ा तथा सामाजिक-सांस्कृतिक क्षेत्र से जुड़े अनेक युवाओं की उपस्थिति ने यह स्पष्ट किया कि यमुना संरक्षण का संदेश नई पीढ़ी तक प्रभावी रूप से पहुँच रहा है। यह आयोजन यमुना को पुनः जनचेतना का केंद्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

यमुना संगम कार्यक्रम को सफल बनाने में यमुना परिवार काउंसिल के निदेशक कपिल गर्ग जी, कार्यक्रम संयोजक संजीव कपूर जी, महाआरती संयोजक राहुल गुप्ता जी, सह संयोजक मुकेश सोलंकी जी, आरती प्रमुख संजय गिरी एवं विपणन प्रमुख सुकंचन गर्ग का योगदान अत्यंत सराहनीय रहा। उनके समर्पण, सेवा भावना और संगठनात्मक कुशलता ने इस आयोजन को गरिमा और भव्यता प्रदान की।

भिवंडी में स्वीप कक्षा के माध्यम से मतदान जागरूकता अभियान

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका की सार्वत्रिक चुनाव प्रक्रिया 2025-26 के तहत मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से स्वीप (Systematic Voters' Education and Electoral Participation) कक्षा के माध्यम से व्यापक जनजागरण अभियान चलाया गया। यह कार्यक्रम मनपा आयुक्त तथा अतिरिक्त आयुक्त नयना ससाणे के मार्गदर्शन में और स्वीप कक्षा के नोडल अधिकारी श्रीकांत परदेशी के निर्देशन में आयोजित किया गया।

इस अभियान के तहत मनपा स्कूल क्रमांक 68, नविवस्ती के छात्र-छात्राओं द्वारा नविवस्ती से अप्सरा टॉकीज तक जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के दौरान चौक-चौराहों पर नागरिकों से आगामी 15 जनवरी 2026 को मतदान कर लोकतंत्र को मजबूत करने की अपील की गई। बच्चों ने 'मतदान करें, लोकतंत्र मजबूत करें' जैसे नारों के माध्यम से मतदान के महत्व का संदेश दिया।इस अवसर पर सहायक नोडल अधिकारी श्रीमती कल्पना तळपाडे एवं श्री राहुल नाडेकर उपस्थित रहे। साथ ही स्कूल क्रमांक 68 के शिक्षक श्री कागदी जावेद अंसारी, मोहम्मद नसीर, नईम शेख, श्री सैयद रिज़वान तथा मनपा कर्मचारी श्री पंडित केणे, पंकज कुमार राऊत, विकी जाधव और सनी ओवाल ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग दिया।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से बड़ा होता है भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष का कद-चौधरी

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष से कहीं बड़ा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष का कद होता है। चौधरी ने आगरा में अखिलेश यादव और इंडिया गठबंधन की पार्टियों पर जबरदस्त हमला किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा की खूबी है कि यहां कोई भी कार्यकर्ता छोटा बड़ा नहीं होता।

पंकज चौधरी ने कहा, उत्तर प्रदेश भाजपा का अध्यक्ष होना कोई छोटी चीज नहीं है। अखिलेश यादव के दल का राष्ट्रीय अध्यक्ष होता है, उससे कहीं बड़ा भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष होता है। इंडिया गठबंधन पर भी हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन में अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, लालू और कांग्रेस के दल का अगर प्रदेश अध्यक्ष बनना है तो इनके परिवार में पुनर्जन्म लेना पड़ेगा।

दरअसल समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज कसा था कि उत्तर प्रदेश का अध्यक्ष कई बार का सांसद है जबकि राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष महज एक विधायक है। अखिलेश यादव के इसी बयान पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हमलावर हो गये।

भिवंडी की अन्वी शुक्ला ने रचा इतिहास, लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज हुआ नाम

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी शहर के लिए गर्व की बात है। 30 मिनट में सर्वाधिक राउंडहाउस किक्स मारने की अद्भुत उपलब्धि हासिल कर भिवंडी की अन्वी अनूपकुमार शुक्ला ने लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए अपना नाम दर्ज कराया है। इस उपलब्धि के बाद खेल जगत और शहरभर में उनका अभिनंदन किया जा रहा है।विज़न मार्शल आर्ट्स एकेडमी की ओर से 23 नवंबर 2025 को हैदराबाद के आर.आर. जिले स्थित सरूरनगर इंडोर स्टेडियम में '30 मिनट में सर्वाधिक राउंडहाउस किक्स' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में देश के 10 राज्यों से कुल 927 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिन्होंने मिलकर 8 लाख 55 हजार 460 किक्स का लक्ष्य हासिल किया।प्रतियोगिता में 8 वर्ष से लेकर 70 वर्ष तक की आयु के प्रतिभागी शामिल थे। इसमें येलो बेल्ट से लेकर सातवीं डैन ब्लैक बेल्ट तक के अनुभवी मार्शल आर्टिस्टों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसी प्रतियोगिता में भिवंडी ब्रेव यूथ मार्शल आर्ट्स एसोसिएशन

ऑफ इंडिया की अन्वी अनूपकुमार शुक्ला ने 30 मिनट में सर्वाधिक राउंडहाउस किक्स मारकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया।इस उपलब्धि के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की संपादक वत्सला कौल बनर्जी के हस्ताक्षर युक्त होलोग्राम प्रमाणित सर्टिफिकेट जारी किया गया है। अन्वी शुक्ला की इस सफलता को उनके अथक परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का परिणाम बताया जा रहा है।मार्शल आर्ट्स प्रशिक्षकों और खेल प्रेमियों ने अन्वी को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनका यह रिकॉर्ड आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा।

भिवंडी मनपा चुनाव से पहले राकांपा (शरद) को झटका, पांच अपात्र पूर्व नगरसेवक सपा में शामिल

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी महानगरपालिका चुनाव से पहले राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख नजदीक आते ही दल-बदल का सिलसिला भी शुरू हो गया है। इसी बीच समाजवादी पार्टी ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) को बड़ा झटका देते हुए पांच अपात्र पूर्व नगरसेवकों को पार्टी में शामिल कर लिया है।

कांग्रेस के बागी नेता और पूर्व उपमहापौर अहमद सिद्दीकी ने अपने चार अन्य पूर्व साथी नगरसेवकों–शबनम महबूब अंसारी, नमरा औरंगजेब अंसारी,मलीक नाजीर मोमिन और अंजुम अहमद सिद्दीकी के साथ समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया। सपा के प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आज़मी ने सभी नेताओं का पार्टी में स्वागत किया।गौरतलब है कि वर्ष 2019 में भिवंडी मनपा के महापौर चुनाव के दौरान कांग्रेस से बगावत कर अहमद सिद्दीकी सहित 18 नगरसेवकों ने राकांपा (शरद) में प्रवेश किया था। इसके बाद उन्हें छह वर्षों के लिए चुनाव लड़ने से अपात्र घोषित किया गया था। अब मनपा चुनाव सिर पर होने के चलते इन नेताओं ने नया राजनीतिक रास्ता चुना है।सूत्रों के मुताबिक, भिवंडी मनपा चुनाव को लेकर राकांपा (शरद) और समाजवादी पार्टी के बीच संभावित गठबंधन को लेकर बातचीत सफल नहीं हो पाई है। इसी पृष्ठभूमि में अपात्र पूर्व नगरसेवकों ने समाजवादी पार्टी की ओर रुख किया है।राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आने वाले एक-दो दिनों में भिवंडी की राजनीति में और भी बड़े उलटफेर देखने को मिल सकते हैं, जिससे चुनावी समीकरण पूरी तरह बदल सकते हैं।

वार्षिक राउंड अप - पश्चिम रेलवे 2025

राष्ट्रीय उपलब्धियों, परिचालन उत्कृष्टता और यात्री-केंद्रित विकास का एक ऐतिहासिक वर्ष

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

कैलेंडर वर्ष 2025 पश्चिम रेलवे के लिए एक ऐतिहासिक एवं परिवर्तनकारी वर्ष के रूप में उभरकर सामने आया। यह वर्ष राष्ट्रीय महत्व की उपलब्धियों, रिकॉर्ड अवसंरचना विकास, उत्कृष्ट परिचालन प्रदर्शन तथा यात्री सुरक्षा, सेवा गुणवत्ता, डिजिटल शासन, राजस्व वृद्धि और सतत विकास पर निरंतर केंद्रित प्रयासों से परिपूर्ण रहा। वर्ष भर पश्चिम रेलवे ने व्यापक पैमाने के संचालन को सटीकता के साथ, विरासत को आधुनिकता के साथ तथा विकास को अनुशासन के साथ संतुलित करने की अपनी क्षमता का सशक्त प्रदर्शन किया।

राष्ट्रीय उपलब्धियाँ एवं ऐतिहासिक प्रथम

वर्ष की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक यह रही कि पश्चिम रेलवे ने अपने संपूर्ण ब्रॉड गेज नेटवर्क का 100इ विद्युतीकरण प्राप्त किया। इससे पश्चिम रेलवे भारतीय रेल के पूर्णतः विद्युतीकृत रेल नेटवर्क वाले क्षेत्रों में मजबूती से स्थापित हुआ है तथा सतत एवं ऊर्जा-कुशल परिचालन के प्रति उसकी प्रतिबद्धता और अधिक सुदृढ़ हुई है।

एक अन्य प्रमुख उपलब्धि के रूप में रोलिंग स्टॉक वर्कशॉप, दाहोद में लोको मैन्युफैक्चरिंग शॉप का निर्माण एवं लोकार्पण किया गया, जिसे 21,405 करोड़ की परियोजना लागत से विकसित किया गया है। इस अत्याधुनिक इकाई की आधारशिला माननीय प्रधानमंत्री द्वारा रखी गई थी तथा परियोजना का कार्य वर्ष 2025 में पूर्ण किया गया। यह अत्याधुनिक संयंत्र 9000 हॉर्स पावर की विद्युत मालगाड़ी इंजनों के निर्माण हेतु डिज़ाइन किया गया है, जिससे भारतीय रेल की माल वहन क्षमता में वृद्धि होगी और लॉजिस्टिक लागत में कमी आएगी। यह संयंत्र 'मेक इन इंडिया' और 'मेक फॉर द वर्ल्ड' पहल को सशक्त समर्थन प्रदान करता है, जिसके अंतर्गत भारतीय रेल के लिए ब्रॉड गेज विद्युत लोकोमोटिव तथा निर्यात हेतु स्टैंडर्ड गेज विद्युत लोकोमोटिव का निर्माण किया जाएगा। हरित विनिर्माण सिद्धांतों पर आधारित एवं हरित ऊर्जा से संचालित इस परियोजना ने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित किया है तथा दाहोद क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी मजबूत प्रोत्साहन प्रदान किया है।

वर्ष के दौरान, पश्चिम रेलवे ने 234 किलोमीटर नई लाइनें, दोहरीकरण तथा गेज परिवर्तन कार्य पूर्ण किए, जिससे नेटवर्क क्षमता, परिचालन लचीलापन और मजबूती में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। एक प्रमुख तकनीकी उपलब्धि के रूप में, मिशन रफ्तार के अंतर्गत रतलाम मंडल के खाचरौद-नागदा दोहरी लाइन खंड पर भारत की पहली 2□25 केवी ट्रैक्शन प्रणाली का सफलतापूर्वक कमीशनिंग किया गया, जिससे उच्च गति संचालन, बेहतर ऊर्जा दक्षता तथा भविष्य के लिए तैयार ट्रैक्शन अवसंरचना सुनिश्चित हुई।

अवसंरचना विस्तार एवं संरक्षा कार्य - संपर्क, लॉजिस्टिक्स और क्षेत्रीय विकास में परिवर्तनकारी भूमिका

वर्ष 2025 के दौरान, पश्चिम रेलवे ने बड़े पैमाने पर अवसंरचना सुदृढ़ीकरण कार्य जारी रखते हुए संरक्षा और क्षमता वृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल कीं। इस अवधि में कुल 138 रोड ओवर ब्रिज एवं अंडर ब्रिज का निर्माण किया गया, 114 मानवयुक्त समपार फाटकों का उन्मूलन किया गया तथा 660 किलोमीटर डब्ल्यू-बीम फेंसिंग स्थापित की गई, जिससे यात्रियों की सुरक्षा और परिचालन दक्षता में उल्लेखनीय सुधार हुआ।

वर्ष 2025 के दौरान, पश्चिम रेलवे ने डबलिंग, गेज परिवर्तन एवं विद्युतीकरण से जुड़े अनेक उच्च प्रभाव वाले परियोजनाओं का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया, जिससे गुजरात में यात्री आवागमन, माल ढुलाई क्षमता तथा क्षेत्रीय आर्थिक विकास को उल्लेखनीय मजबूती मिली। प्रमुख परियोजनाओं में आनंद-गोधरा रेल खंड का दोहरीकरण (79 किमी, 693 करोड़) शामिल है, जो आनंद, खेड़ा एवं पंचमहल जिलों को कवर करता है। इसी प्रकार, महेसाणा-पालनपुर रेल खंड का दोहरीकरण (65.10 किमी, 537 करोड़), जो बनासकांठा, पाटन एवं महेसाणा जिलों को कवर करता है, दिल्ली-अहमदाबाद राजधानी मार्ग पर शेष अंतिम सिंगल लाइन अंतर को समाप्त करने वाला एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट रहा। राजकोट-हदमटिया खंड का दोहरीकरण (39 किमी, 377 करोड़), जो राजकोट-कानालूस दोहरीकरण परियोजना (111 किमी) का हिस्सा है, ने राजकोट जिले में रेल अवसंरचना को सुदृढ़ किया। इसके अतिरिक्त, कालोल-कड़ी-कतोसन रोड रेल खंड का गेज परिवर्तन सहित विद्युतीकरण (37 किमी, 347 करोड़), जो गांधीनगर एवं महेसाणा जिलों को कवर करता है, एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रहा। बेचराजी-रणुज रेल खंड का गेज परिवर्तन (40 किमी, 520 करोड़), जो महेसाणा, पाटन एवं अहमदाबाद के आकांक्षी जिलों को कवर करता है, राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति तथा पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप किया गया। साथ ही, साबरमती-बोटाद रेल खंड का विद्युतीकरण (106 किमी, 333 करोड़) पूरा होने के साथ ही गुजरात में रेल नेटवर्क का 100इ विद्युतीकरण सुनिश्चित हुआ।

समग्र रूप से, इन परियोजनाओं ने रेल नेटवर्क में मौजूद बाधाओं को दूर किया है, भीड़भाड़ तथा ट्रेनों की अनावश्यक रोक को कम किया है और प्रमुख रेल गलियारों पर यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी लाई है। इससे परिचालन में अधिक लचीलापन आया है तथा अतिरिक्त यात्री एवं मालगाड़ियों के संचालन का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इस अवसंरचना सुदृढ़ीकरण से मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स को मजबूती मिली है, परिवहन लागत में कमी आई है, आपूर्ति श्रृंखला की दक्षता में सुधार हुआ है और ऑटोमोबाइल, औद्योगिक, कृषि एवं विनिर्माण क्षेत्रों को महत्वपूर्ण समर्थन प्राप्त हुआ है। साथ ही, पर्यावरण-अनुकूल रेल परिचालन को बढ़ावा मिला है तथा क्षेत्रीय विकास, रोजगार सृजन और अहमदाबाद, राजकोट, जामनगर, द्वारका एवं भावनगर जैसे प्रमुख शहरी केंद्रों तक बेहतर संपर्क सुनिश्चित हुआ है।

परिचालन उत्कृष्टता एवं समयपालन में नेतृत्व

वर्ष 2025 के दौरान पश्चिम रेलवे ने समयपालन के क्षेत्र में असाधारण प्रदर्शन दर्ज किया और भारतीय रेल की सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली ज़ोनल रेलों में अपना स्थान बनाए रखा। मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों की समयपालनता पूरे सिस्टम में उच्चतम स्तर पर रही, जिसमें नवंबर 2025 में लगभग 97इ समयपालनता तथा नवंबर तक की संचयी अवधि में लगभग 96इ समयपालनता दर्ज की गई, जो सभी ज़ोनल रेलों में सर्वश्रेष्ठ रही।

यह उल्लेखनीय उपलब्धि भारी मानसूनी परिस्थितियों, अत्यंत सघन उपनगरीय रेल परिचालन, बड़े पैमाने पर त्योहार विशेष ट्रेनों के संचालन तथा निरंतर चल रहे अवसंरचना कार्यों के बावजूद हासिल की गई। यह प्रदर्शन पश्चिम रेलवे की सुदृढ़ परिचालन योजना, वास्तविक समय में प्रभावी निगरानी तथा अनुशासित नियंत्रण तंत्र की सशक्तता को दर्शाता है।

मुंबई उपनगरीय रेल नेटवर्क - भारत की जीवनरेखा

पश्चिम रेलवे का मुंबई उपनगरीय रेल नेटवर्क एक बार फिर अपनी सुदृढ़ता एवं विश्वसनीयता का प्रमाण देता हुआ मुंबई की जीवनरेखा के रूप में सेवा करता रहा, जो प्रतिदिन 30 लाख से अधिक यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करता है। मानसून के दौरान तीव्र वर्षा की घटनाओं के बावजूद, सघन पूर्व-मानसूनी योजना, परिसंपत्तियों की बेहतर तैयारी तथा त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली के चलते उपनगरीय सेवाएं अधिकांशतः निर्बाध रूप से संचालित होती रहीं।

प्रमुख यात्री सेवा विस्तार एवं बढ़ती मांग का प्रभावी प्रबंधन

वर्ष 2025 के दौरान नई नियमित रेल सेवाओं की शुरुआत तथा बढ़ती और मौसमी यात्रा मांग को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर स्पेशल ट्रेनों के परिचालन के माध्यम से यात्री संपर्क में उल्लेखनीय वृद्धि की गई। इससे यात्रियों को बेहतर सुविधा, अधिक विकल्प और सुगम आवागमन सुनिश्चित हो सका। एक प्रमुख उपलब्धि के रूप में उधना जंक्शन (गुजरात) और ब्रह्मपुर (ओडिशा) के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन किया गया। यह पश्चिम रेलवे एवं गुजरात की पहली अमृत भारत एक्सप्रेस है, जिसने पश्चिमी भारत और पूर्वी तट के बीच किफायती लंबी दूरी की रेल संपर्क व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया है।

इसके अतिरिक्त, क्षेत्रीय आवागमन को सुदृढ़ करने के लिए नई मेमू सेवाओं की शुरुआत की गई। वहीं भावनगर-अयोध्या के बीच नई रेल सेवा को माननीय रेल मंत्री, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जिससे तीर्थयात्रियों एवं यात्रियों के लिए लंबी दूरी की रेल संपर्क सुविधा का और विस्तार हुआ।

यात्रा की बढ़ती मांग का प्रभावी प्रबंधन करने तथा नियमित सेवाओं को पूरक सहयोग देने के लिए पश्चिम रेलवे ने वर्ष 2025 के दौरान लगभग 7000 फेरे हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों के रूप में परिचालित किए। ये ट्रेनें ग्रीष्मकालीन अवकाश, गणपति, दीवाली-छठ तथा क्रिसमस/नववर्ष आदि के दौरान विभिन्न चरणों में चलाई गईं। इसके साथ ही, अस्थायी एवं स्थायी आधार पर ट्रेनों में अतिरिक्त कोच भी जोड़े गए। इन विशेष ट्रेन सेवाओं ने पूरे रेल नेटवर्क में यात्रियों की सुगम, सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवाजाही सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पश्चिम रेलवे ने उपनगरीय और लंबी दूरी की सेवाओं में असाधारण रूप से अधिक यात्री आवागमन के दौरान गहन और सुविचारित भीड़ प्रबंधन उपाय किए। उत्सवों, विशेष ट्रैफिक अवधि और पीक आवर्स के दौरान अभूतपूर्व यात्री संख्या के बावजूद, यात्री आवागमन सुचारू, व्यवस्थित और सुरक्षित रहा। यह संभव हुआ सक्रिय योजना, अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती, वास्तविक समय निगरानी, यात्री प्रवाह का नियमन, बेहतर घोषणाओं की व्यवस्था और विभिन्न रेलवे विभागों के बीच घनिष्ठ समन्वय के माध्यम से। इन व्यापक व्यवस्थाओं ने भीड़ के सुरक्षित विघटन, जाम की रोकथाम और ट्रेन परिचालन में अविरलता सुनिश्चित की, जिससे पश्चिम रेलवे की उच्च घनत्व वाले यात्री ट्रैफिक को कुशलता और सटीकता के साथ संभालने की क्षमता और मजबूत हुई।

डिजिटल परिवर्तन और स्मार्ट गवर्नेंस

वर्ष 2025 ने पश्चिम रेलवे के लिए डिजिटल शासन में निर्णायक छलांग का प्रतीक बनाया। इस वर्ष, जोन ने SUGAMRAIL लॉन्च किया, जो वास्तविक समय में लिफ्ट, एस्केलेटर और अर्थिंग पिट की निगरानी के लिए पहला सॉफ्टवेयर-आधारित प्लेटफ़ॉर्म है। लिफ्ट और एस्केलेटर के प्रदर्शन का डिजिटल ट्रैकिंग होने से टूट-फूट की स्थिति में तेजी से कार्रवाई संभव हुई।

यात्री अनुभव को डिजिटल नवाचार के माध्यम से और बेहतर बनाने के लिए, पश्चिम रेलवे ने मुंबई सेंट्रल पर डिजिटल लाउंज और को-वर्किंग स्पेस स्थापित किया, जिससे यात्रियों को आधुनिक, आरामदायक और उत्पादक यात्रा वातावरण उपलब्ध हो सके, जो बदलती यात्रियों की अपेक्षाओं के अनुरूप है।

इसके अलावा, पश्चिम रेलवे ने 2,270 हैंड-हेल्ड टर्मिनल (प्ऐ) की तैनाती के साथ 100इ डिजिटल टिकट जांच हासिल की। पश्चिम रेलवे ने रेल मदद शिकायत निवारण में लगातार पांचवें वर्ष के लिए अपनी स्थिति नंबर वन बनाए रखी।

पश्चिम रेलवे ने फ्रेट सेक्टर में कई प्रमुख उपलब्धियाँ हासिल कीं, जिनमें पहला समर्पित रेफ्रिजरेटेड (रीफर) कंटेनर रेक श्इ-साणंद से पीपावाव पोर्ट तक और पहली बार दो डिम्ड ऱ्झ रेक का लिंक से सांकरेल गुड्स टर्मिनल तक लोडिंग शामिल है, जो लॉजिस्टिक सेवाओं में विविधीकरण को दर्शाता है।

धर्मान्तरण रैकेट को नेस्तनाबूद करने के लिए एआई का भी इस्तेमाल करे पुलिस, सीएम ने दिए निर्देश

लखनऊ **(एजेंसी)**। सोशल मीडिया के दुरुपयोग, दुष्प्रचार और साइबर अपराध जैसी गतिविधियों पर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री योगी ने पुलिस को ऐसे अपराधों पर नकेल कसने और विदेशी फंड से प्रायोजित धर्मांतरण के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए आटिफिशयल इंटेलीजेंस (एआई) का भी इस्तेमाल करने के निर्देश दिए।

'पुलिस मंथन' वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सम्मेलन 2025 के समापन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने प्रदेश में कानून व्यवस्था को सुद्दढ़ करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को विशेष रूप से सोशल मीडिया और साइबर क्राइम पर सख्त् निगरानी रखने के निर्देश दिये। उन्होंने सोशल मीडिया पर कानून-व्यवस्था, जातीय एवं धार्मिक सौहार्द प्रभावित करने वालों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने को कहा। उन्होंने पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल की ओर से प्रदेश में बढ़ने वाली आतंकी गतिविधियों और नशीले पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के लिए सीमा सुरक्षा एवं आतंकवाद निरोधक तंत्र को तकनीकी रूप से सुद्दढ़ करने के निर्देश दिये। साथ ही गो-तस्करी और धर्मांतरण के लिए चलाए जा रहे संगठित गिरोह पर सख्त कार्र्वाई करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के दुरुपयोग, दुष्प्रचार, डीपफेक, डाकर्वेब, साइबर अपराध एवं आतंकी नेटवर्क जैसी चुनौतियों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए पुलिस एवं इंटेलिजेंस तंत्र को निर्र्देशित किया कि सोशल मीडिया पर कानून-व्यवस्था, जातीय एवं धार्र्मिक सौहार्र्द को प्रभावित करने वाले किसी भी आपत्तिजनक कंटेंट पर तत्काल संज्ञान लेकर त्वरित और कठोर कार्र्वाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि जाति या धर्र्म के नाम पर समाज को विभाजित करने, पुलिस पर दबाव बनाने अथवा अराजकता फैलाने वाले तत्वों के प्रति किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए। ऐसे पोस्ट, फेक अकाउंट एवं संगठित दुष्प्रचार अभियानों की पहचान कर उनके विरुद्ध विधिसम्मत कठोर कार्र्वाई की जाए।

नर्सिंग छात्रा की बर्थडे पार्र्टी पर पहुंचे मुस्लिम दोस्त बजरंग दल का हंगामा; लगाए ये गंभीर आरोप

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के बरेली जिला मुख्यालय में एक रेस्तरां में बीएससी (नर्र्सिंग) की छात्रा की जन्मदिन पार्र्टी में दूसरे समुदाय के युवकों को देखकर कुछ हिंदू संगठनों के कार्र्यकर्र्ताओं ने "लव जिहाद" का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया।

पुलिस के अनुसार, यह घटना प्रेमनगर इलाके के 'द डेन कैफे एंड रेस्तरां' में शनिवार रात हुई, जहां बीएससी (नर्र्सिंग) प्रथम वर्र्ष की छात्रा ने अपनी जन्मदिन पार्र्टी आयोजित की थी।

बताया जा रहा है कि पार्र्टी में करीब 10 लोग मौजूद थे, जिनमें छह लड़कियां और चार लड़के शामिल थे। चार लड़कों में से दो शान और वाकिफ मुस्लिम थे। पुलिस ने बताया कि एक हिंदू लड़की के साथ मुस्लिम युवकों की मौजूदगी को लेकर कुछ हिंदू संगठनों के सदस्य रेस्तरां पहुंचे। उन्होंने नारेबाजी की, युवकों पर "लव जिहाद" का आरोप लगाया और कथित तौर पर परिसर में घुसकर हंगामा किया। सूचना मिलने पर प्रेमनगर पुलिस मौके पर पहुंची और छात्रा तथा अन्य लोगों को पूछताछ के लिए थाने ले गई। शुरुआत में एक मुस्लिम युवक को हिरासत में लिया गया, जबकि दूसरा युवक मौके से भाग गया। प्रेमनगर थाना प्रभारी राजबली ने बताया कि छात्रा प्रेमनगर के एक छात्रावास में रहती है और एक निजी कॉलेज से बीएससी (नर्र्सिंग) की पढ़ाई कर रही है। उन्होंने कहा, "छात्रा ने अपने दोस्तों के लिए जन्मदिन पार्र्टी का आयोजन किया था। हमने प्रेमनगर में रहने वाली छात्रा की मौसी समेत उसके रिश्तेदारों को बुलाया है और पार्र्टी में मौजूद अन्य लोगों के परिजनों को भी सूचित किया गया।"

चौथा एशेज टेस्ट 2 दिन में खत्म होने पर एमसीजी क्यूरेटर 'सदमे' में, ट्रैविस हेड ने दिया समर्थन

मेलबर्न **(एजेंसी)**। एमसीजी के क्यूरेटर मैट पेज ने कहा कि बॉक्सिंग डे टेस्ट के पहले दिन 20 विकेट गिरने के बाद वह 'सदमे की हालत में' थे, जबकि ट्रैविस हेड ने ग्राउंड स्टाफ के प्रति सहानुभूति व्यक्त की जिन्होंने सीम-फ्रेंडली पिच तैयार की जिसके कारण मैच दो दिन में खत्म हो गया। मैच जल्दी खत्म होने के कारण क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को 10 मिलियन ऑस्ट्रेलियन डॉलर तक का नुकसान होने की उम्मीद है।

मैच के आखिरी तीन दिनों के लिए गर्म मौसम के पूर्वानुमान के आधार पर सतह पर 10मिमी घास छोड़ने के पेज के फैसले पर काफी सवाल उठे, जब 142 ओवर में 36 विकेट गिरे, और इंग्लैंड ने दूसरे दिन देर से ऑस्ट्रेलिया में जनवरी 2011 के बाद अपनी पहली जीत हासिल की। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा कि दुनिया में कहीं और ऐसी ही पिच 'तबाही' मचा देगी, और स्टीवन स्मिथ ने इतनी घास छोड़ने के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा, 'शायद इसने थोड़ा ज्यादा ही मदद की... शायद अगर इसे 10 से 8मिमी कर दिया जाता, तो यह एक अच्छी चुनौतीपूर्ण विकेट होती - शायद थोड़ी और संतुलित।'

पेज ने कहा कि वह परिणाम से 'वास्तव में निराश' हैं और उन्होंने यह सुनिश्चित करने का वादा किया कि एमसीजी में फिर से दो दिन में मैच खत्म न हो। उन्होंने कहा, 'पहले दिन के बाद मैं सदमे की हालत में था, जो कुछ भी हुआ, एक दिन में 20 विकेट। मैं कभी ऐसे टेस्ट मैच में शामिल नहीं हुआ और उम्मीद है कि फिर कभी ऐसे टेस्ट मैच में शामिल नहीं होऊंगा।'

हेड, जिन्होंने दूसरी पारी में 46 रन बनाए जो मैच का सबसे बड़ा स्कोर था, ने पेज के प्रति सहानुभूति जताई और कहा कि ग्राउंड स्टाफ के लिए यह 'बहुत मुश्किल' था। उन्होंने पिछले साल के एमसीजी टेस्ट के लिए तैयार की गई पिचों से भी तुलना की - जिसमें भारत आखिरी सेशन में 7 विकेट गंवाकर मैच हार गया था और एडिलेड में तीसरे एशेज टेस्ट से भी, जिसमें दोनों बैटिंग लाइन-अप ने खराब प्रदर्शन किया था। उन्होंने कहा, 'मुझे उनके (पेज) लिए बुरा लग रहा है। यह बहुत मुश्किल है। आप अच्छी बॉलिंग से 1-2 मिमी छोड़ते हैं और आप खुद को पीछे पाते हैं, और आप अच्छी बैटिंग से 2-3 मिमी हटाते हैं और आप खुद को दूसरी तरफ पाते हैं।' मेलबर्न क्रिकेट क्लब (एमसीजी) के चीफ एग्जीक्यूटिव स्टुअटर् फॉक्स ने इशारा किया कि लापरवाह बैटिंग मैच जल्दी खत्म होने का एक कारण था और कहा कि वह पेज के साथ खड़े रहेंगे।

लॉरा हैरिस ने 15 गेंदों में लगाया अर्धशतक टी20 में सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड बराबर किया

एलेक्जेंड्रा **(एजेंसी)**। डब्ल्यूबीबीएल में सिडनी थंडर के लिए निराशाजनक प्रदर्शन के बाद लॉरा हैरिस ने रविवार को ओटागो के लिए 15 गेंदों में अर्धशतक बनाकर महिला सुपर स्मैश में तुरंत प्रभाव डाला। यह महिला टी20 में (जहां डेटा उपलब्ध है) संयुक्त रूप से सबसे तेज अर्धशतक है, 2022 में वारविकशायर के लिए ग्लॉस्टरशायर के खिलाफ मैरी केली द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड के बराबर है। ओटागो के लिए अपने पहले मैच में, बड़े शॉट लगाने के लिए जानी जाने वाली अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज हैरिस ने कैंटरबरी के खिलाफ ओटागो के 146 रनों के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। वह छठे ओवर में 46 रन पर 2 विकेट गिरने के बाद मैदान पर आईं और यह सुनिश्चित किया कि उनकी टीम 15वें ओवर तक लक्ष्य को पार कर ले। उन्होंने एलेक्जेंड्रा के मोलिनक्स पार्क में 17 गेंदों में 52 रन बनाए, जिसमें छह चौके और चार छक्के शामिल थे, इससे पहले कि उन्हें मीडियम पेसर गैबी सुलिवन की गेंद पर कैच आउट कर दिया गया।

हैरिस का डब्ल्यूबीबीएल में प्रदर्शन औसत रहा, जैसा कि थंडर का भी रहा, जो आठ टीमों की तालिका में नीचे से दूसरे स्थान पर रही, केवल बिना जीत वाली ब्रिस्बेन हीट से बेहतर। हैरिस ने थंडर के लिए सीजन के सभी दस मैच खेले, 8 बार बल्लेबाजी की और कुल 69 रन बनाए, हालांकि उनका स्ट्राइक रेट 197.14 था, जो प्रतियोगिता में सबसे अच्छा था। हालांकि, वह इस साल की शुरुआत में अच्छी फॉर्म में थीं, और इस साल की शुरुआत में वारविकशायर के लिए खेलते हुए केली के रिकॉर्ड को तोड़ने का प्रयास किया था, जब उन्होंने वाइटैलिटी ब्लास्ट में डरहम के खिलाफ 21 गेंदों में 55 रन बनाकर प्लेयर-ऑफ-द-मैच का पुरस्कार जीता था, जिसमें उन्होंने 17 गेंदों में अर्धशतक बनाया था। हैरिस के नाम टी20 में 15 और 17 गेंदों के रिकॉर्ड के अलावा, तीन 18-गेंदों की हाफ-सेंचुरी और एक 19-गेंदों की हाफ-सेंचुरी भी है। इसका मतलब है कि टी20 में उनके सभी छह 50 से ज्यादा के स्कोर 20 से कम गेंदों में आए हैं। महिला क्रिकेट में किसी और बल्लेबाज ने यह कारनामा एक से ज्यादा बार नहीं किया है।

रविवार को, हैरिस की तेज रन बनाने की गति का मतलब था कि ओटागो बोनस पॉइंट हासिल करने वाली पहली टीम बन गई, जिसे इस सीजन से पहले महिला सुपर स्मैश में ज़्यादा स्कोर वाले मैचों को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया था। मैच जीतने पर मिलने वाले रेगुलर चार पॉइंट्स के अलावा, टीमें बोनस पॉइंट हासिल कर सकती हैं अगर वे 150 या उससे ज़्यादा रन बनाती हैं, चाहे वे पहले बैटिंग करें या दूसरी, या दूसरी इनिंग में विपक्षी टीम के रन रेट से 1.25 गुना ज़्यादा रन रेट हासिल करें। कैंटरबरी ने 7.25 के रन रेट से रन बनाए थे। ओटागो ने 9.84 के रन रेट पर मैच खत्म किया।

विराट कोहली का विकेट लेने वाले स्पिनर की चमकी किस्मत, मैच के बाद मिली खास सलाह

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय क्रिकेट के सुपरस्टार कोहली की घरेलू क्रिकेट में वापसी हमेशा चर्चा का विषय बन जाती है। विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला, जब कोहली ने दिल्ली के लिए खेलते हुए दमदार प्रदर्शन किया। इस दौरान गुजरात के युवा स्पिनर विशाल ने न सिर्फ कोहली का अहम विकेट लिया, बल्कि मैच के बाद उनसे मिली खास सलाह भी अब सामने आई है, जिसने हर युवा क्रिकेटर को प्रेरित कर दिया है।

विराट कोहली ने इस सीजन विजय हजारे ट्रॉफी में दिल्ली के लिए दो मुकाबले खेले। पहले ही मैच में उन्होंने आंध्र प्रदेश के खिलाफ शानदार शतक जड़कर अपनी क्लास दिखाई। इसके बाद गुजरात के खिलाफ दूसरे मैच में कोहली ने 77 रनों की बेहतरीन पारी खेली। इन दोनों जीतों के साथ दिल्ली की टीम पॉइंट्स टेबल में शीर्ष पर बनी हुई है। गुजरात के खिलाफ मैच में कोहली एक और शतक की ओर बढ़ते दिख रहे थे। लेकिन पारी के 22वें ओवर में गुजरात के स्पिनर विशाल जायसवाल ने अपनी फिरकी का जादू चलाया और कोहली को स्टंप आउट कर पवेलियन भेज दिया। यह विकेट जायसवाल के करियर का अब तक का सबसे बड़ा पल माना जा रहा है।

मैच खत्म होने के बाद विशाल जायसवाल को विराट कोहली से बातचीत करने का मौका मिला। जब जायसवाल ने उनसे मैच बॉल पर ऑटोग्राफ मांगा, तब कोहली ने उनकी गेंदबाजी की जमकर तारीफ की। जायसवाल के मुताबिक, कोहली ने उनसे कहा, 'अच्छा बॉल डालता है। हार्ड वर्क करता रह। मौका जरूर आएगा, बस धैर्य रख और मेहनत करता रह।' यह शब्द जायसवाल के लिए किसी पुरस्कार से कम नहीं थे। विशाल जायसवाल ने बताया कि उन्होंने विराट कोहली के खिलाफ कोई खास योजना नहीं बनाई थी। उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती दबाव को संभालना था। जायसवाल ने कहा कि कोहली जैसे दिग्गज को गेंदबाजी करना ही अपने आप में बड़ा अनुभव है। उन्होंने यह भी बताया कि कोहली ने उन्हें दबाव में शांत रहने, फिटनेस पर ध्यान देने और लगातार मेहनत करने से जुड़े कई टिप्स दिए।

भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए पाकिस्तान खिलाड़ी पर बड़ी कार्रवाई, मिली कठोर सजा

कराची **(एजेंसी)**। पाकिस्तान के जाने-माने इंटरनेशनल कबड्डी खिलाड़ी उबैदुल्लाह राजपूत को नेशनल फेडरेशन ने कठोर सजा देते हुए हुए उन्हें अनिश्चित काल के लिए बैन कर दिया है क्योंकि उन्होंने इस महीने की शुरुआत में बहरीन में एक प्राइवेट टूर्नामेंट में भारतीय टीम के लिए खेला था। पाकिस्तान कबड्डी फेडरेशन (पीकेएफ) ने एक इमरजेंसी मीटिंग के बाद यह बैन लगाया। फेडरेशन ने राजपूत को बिना फेडरेशन या दूसरे संबंधित अधिकारियों से जरूरी नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) लिए विदेश जाकर टूर्नामेंट खेलने का दोषी पाया।

पीकेएफ के सेक्रेटरी राणा सरवर ने कहा कि राजपूत के पास डिसिप्लिनरी कमेटी के सामने अपील करने का अधिकार है। सरवर ने कहा कि फेडरेशन ने इस बात को गंभीरता से लिया कि राजपूत न सिर्फ बिना एनओसी के विदेश गए बल्कि उन्होंने भारत टीम का प्रतिनिधित्व किया, उसकी जर्सी पहनी और एक मैच जीतने के बाद भारतीय झंडा अपने कंधों पर लपेट लिया। सरवर ने कहा, 'लेकिन उसने (राजपूत) दावा किया है कि यह पूरी तरह से गलतफहमी थी और उसे कभी नहीं बताया गया था कि वह जिस टीम के लिए प्राइवेट टूर्नामेंट में खेलेगा, वह भारतीय टीम होगी। लेकिन वह फिर भी एनओसी नियमों का उल्लंघन करने का दोषी है।'

राजपूत तब मुश्किल में पड़ गए जब जीसीसी कप के दौरान भारतीय जर्सी पहने और भारतीय झंडा लहराते हुए उनके वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। सरवर ने आगे कहा कि एनओसी लिए बिना इस इवेंट में हिस्सा लेने के लिए दूसरे खिलाड़ियों पर भी बैन लगाया गया है और जुर्माना लगाया गया है। राजपूत ने पहले माफी मांगी थी, जिसमें कहा था कि उन्हें बहरीन में टूर्नामेंट में खेलने के लिए बुलाया गया था और उन्हें एक प्राइवेट टीम में शामिल किया गया था।

भारत में जन्मे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने बीबीएल में बिखेरी चमक, एक ओवर में बनाए 24 रन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। बिग बैश लीग (बीबीएल) 2025-26 में एक नया नाम तेजी से सुर्खियों में आ रहा है जेरिसस वाडिया। भारत में जन्मे और ऑस्ट्रेलिया में क्रिकेटिंग सफर तय कर रहे इस युवा ऑलराउंडर ने बेहद कम समय में अपनी पहचान बना ली है। ब्रिस्बेन के द गाबा में एडिलेड स्ट्राइकर्स और ब्रिस्बेन हीट के बीच खेले गए मुकाबले में वाडिया ने निडर बल्लेबाज़ी से दर्शकों और क्रिकेट विशेषज्ञों का ध्यान खींचा। दबाव भरे हालात में खेली गई उनकी विस्फोटक पारी ने यह साफ कर दिया कि वह भविष्य के लिए एक खास खिलाड़ी साबित हो सकते हैं।

रविवार, 27 दिसंबर को खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में 24 वर्षीय जेरिसस वाडिया ने अपने दूसरे ही बीबीएल मैच में बेखौफ अंदाज़ दिखाया। 180 रन के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए उन्होंने महज 16 गेंदों में 34 रन ठोक दिए। उनकी पारी का टर्निंग पॉइंट 15वां ओवर रहा, जिसमें उन्होंने जैक वाइल्डरमुथ की गेंदों पर लगातार तीन छक्के और एक चौका जड़कर 24 रन बटोर लिए। इस आक्रमण ने मैच का माहौल पूरी तरह बदल दिया और दर्शकों को सीट से खड़ा कर दिया। 3 दिसंबर 2001 को भारत में जन्मे जेरिसस वाडिया ने अपने शुरुआती क्रिकेटिंग साल बड़ौदा में एज-ग्रुप क्रिकेट खेलते हुए बिताए। भारतीय मूल के परिवार से ताल्लुक रखने वाले वाडिया की जड़ें मुंबई से जुड़ी हैं, जहां उनके माता-पिता आज भी रहते हैं। क्रिकेट के बेहतर अवसरों की तलाश में वह ऑस्ट्रेलिया चले गए और धीरे-धीरे वहां के सिस्टम में खुद को ढालते चले गए। कोविड-19 महामारी से पहले वाडिया एडिलेड स्ट्राइकर्स के अंडर-19 प्रोग्राम का हिस्सा बने थे, लेकिन महामारी के कारण उनका सफर कुछ समय के लिए थम गया। सीमाएं खुलने के बाद उन्होंने दोबारा एडिलेड लौटकर साउथ ऑस्ट्रेलियन प्रीमियर क्रिकेट में मेहनत शुरू की। 2022-23 सीज़न से उन्होंने एडिलेड, ईस्ट टॉरेंस और टी ट्री गली जैसे क्लबों के लिए खेलते हुए बल्ले और गेंद दोनों से निरंतर प्रदर्शन किया।

अमरीकी कदम पर चीन का बड़ा झटका, 20 कंपनियों पर जड़ा ताला!

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दुनिया की दो महाशक्तियों के बीच तनाव एक बार फिर चरम सीमा पर पहुंच गया है। मामला ताइवान का है लेकिन इसकी तपिश वाशिंगटन से लेकर बीजिंग तक महसूस की जा रही है। अमरीका ने जैसे ही ताइवान को हथियारों का एक विशाल जखीरा देने का फैसला किया, चीन का गुस्सा 7वें आसमान पर पहुंच गया। चीन ने जवाबी कार्रवाई करते हुए अमरीका की बड़ी-बड़ी डिफैंस कंपनियों के दरवाजे अपने यहां हमेशा के लिए बंद करने का फरमान सुना दिया है। चीन ने जो कदम उठाया है, वह बेहद सख्त और व्यापक है। अमरीका की 20 डिफैंस कंपनियां और 10 बड़े अधिकारी अब चीन की 'ब्लैकलिस्ट' में डाल दिए गए हैं।

इन प्रतिबंधित कंपनियों की लिस्ट में विमान बनाने वाली मशहूर कंपनी बोइंग की सेंट लुइस ब्रांच का नाम सबसे ऊपर है। इसके अलावा नॉर्थ्राप ग्रुम्मन सिस्टम्स कॉर्पोरेशन और एल3 हैरिस मैरीटाइम सर्विसेज जैसी दिग्गज कंपनियों पर भी गाज गिरी है। एक मीडिया चैनल की रिपोर्ट के मुताबिक, चीनी विदेश मंत्रालय ने साफ कर दिया है कि यह सिर्फ कागजी कार्रवाई नहीं है। इन कंपनियों और व्यक्तियों की चीन में मौजूद हर तरह की संपत्ति को फ्रीज (जब्त) कर दिया जाएगा। इसका सीधा मतलब है कि इनका पैसा और प्रॉपर्टी सब ब्लॉक हो जाएगा। साथ ही चीन का कोई भी घरेलू संगठन या व्यक्ति इनके साथ किसी भी तरह का व्यापार नहीं कर सकेगा। सख्ती इतनी ज्यादा है कि डिफैंस फर्म एंडुरिल इंडस्ट्रीज के फाऊंडर और प्रतिबंधित फर्मों के 9 सीनियर एग्जीक्यूटिव्स को अब चीन में एंट्री तक नहीं मिलेगी।

बीते सप्ताह सरसों में गिरावट, सोयाबीन तेल और पाम-पामोलीन में सुधार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में ऊंचे भाव पर लिवाली प्रभावित रहने से सरसों तेल-तिलहन के दाम में गिरावट देखी गई जबकि साधारण मांग के कारण सोयाबीन तेल-तिलहन सटोरियों द्वारा ऊंचा दाम बोले जाने से कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल में सुधार आया। नमकीन बनाने वाली कंपनियों की फुल्की फुल्की मांग के कारण बिनौला तेल के दाम में भी मामूली सुधार रहा।

सुस्त कामकाज के बीच मूंगफली तेल-तिलहन के दाम अपरिवर्तित रहे। बाजार सूत्रों ने कहा कि सरकार की ओर से सरसों की बिकवाली की जा रही है जो एक उचित कदम है। क्योंकि सरसों का स्टॉक किसानों, सरकारी संस्थाओं और स्टॉकिस्टों के पास बचा है। आगामी फसल भी आने की तैयारी में है और इसकी खरीद करने के लिए पुराने स्टॉक को बाजार में निकालना जरूरी है। सरसों का हाजिर दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से 7-8 प्रतिशत अधिक है।

सरसों की नयी फसल कुछ समय में बाजार में आना शुरु हो जाएगी है। मात्रा भले ही कम हो पर इसका असर बाजार पर आता है। इन परिस्थितियों के बीच सरसों तेल-तिलहन के दाम समीक्षाधीन सप्ताह में गिरावट दर्शाते बंद हुए। सूत्रों ने कहा कि दूसरी ओर सर्दियों के मौसम में स्थानीय स्तर पर सोयाबीन डी-आयल्ड केक (डीओसी) की मांग बढ़ जाती है। इसके अलावा सूरजमुखी (145 रुपये किलो) के मुकाबले सोयाबीन तेल (लगभग 124 रुपये किलो) सस्ता होने से सोयाबीन तेल की मांग भी है।

ऐसे में बीते सप्ताह सोयाबीन तेल-तिलहन के दाम में अपने विगत सप्ताहांत के मुकाबले सुधार आया।

उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताहांत के मुकाबले स्थानीय मांग होने से सोयाबीन तेल-तिलहन में सुधार है मगर हकीकत में एमएसपी से मुकाबले सोयाबीन का दाम कमजोर बना हुआ है। अपने एमएसपी वाले दाम पर सोयाबीन का बाजार ही नहीं है। सूत्रों ने कहा कि यही हाल मूंगफली का है क्योंकि इसके एमएसपी के हिसाब से बाजार नहीं है और एमएसपी वाले दाम पर मूंगफली कभी खपेगा नहीं। इस परिस्थिति के बीच मूंगफली तेल-तिलहन के दाम पूर्व सप्ताहांत के स्तर पर ही स्थिर बने रहे।

उन्होंने कहा कि आयातक एक ओर बैंकों में अपना ऋण साखपत्र (लेटर आफ क्रेडिट या एलसी) घुमाने के लिए लागत से कम दाम पर सोयाबीन डीगम तेल काफी समय से बेचना जारी रखे हैं वहीं दूसरी ओर वे अपना आयकर भी दाखिल कर फायदा दिखाते हैं। इस घाटे का सीधा असर यह होगा कि आगे जाकर आयात और घटेगा और इस गिरावट के असर से बाकी तेल-तिलहन भी दवाब में बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह अजीब विरोधाभास है कि जिस देश में खाद्यतेलों की लगभग 60 प्रतिशत की कमी हो वहां आयातकों को लागत से नीचे दाम पर खाद्यतेल बेचना पड़े। सूत्रों ने कहा कि मलेशिया में सट्टेबाज विगत कुछ कारोबारी सत्रों में पाम-पामोलीन तेल के दाम ऊंचा लगा रहे हैं।

सुस्त कामकाज तथा एमएसपी से काफी नीचा हाजिर दाम रहने के बीच समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन की कीमतों में स्थिरता देखने को मिली।

सुधारों की नाव पर सवार भारतीय अर्थव्यवस्था, 2025 में दिखी बेजोड़ मजबूती

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वैश्विक दबाव और सैन्य तनाव के बीच भी भारत की मजबूत आर्थिक उड़ान वर्ष 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए ऐतिहासिक साबित हुई है। वैश्विक चुनौतियों, पश्चिमी सीमा पर सैन्य तनाव और अमरीका द्वारा 50 प्रतिशत तक आयात शुल्क लगाए जाने के बावजूद देश की अर्थव्यवस्था मजबूती से आगे बढ़ती नजर आ रही है। प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष कर सुधारों, सरकार और रिजर्व बैंक के बीच बेहतर तालमेल तथा निरंतर नीतिगत फैसलों के चलते आज भारत के अधिकांश आर्थिक संकेतक सकारात्मक स्थिति में हैं।

बीते दो तिमाहियों में देश की आर्थिक वृद्धि दर औसतन 8 प्रतिशत के आसपास बनी हुई है, जबकि खुदरा महंगाई दशक के निचले स्तर पर पहुंच चुकी है। रिजर्व बैंक ने भी इस वर्ष लगातार नीतिगत ब्याज दरों में कटौती कर विकास को गति दी है। डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट के बावजूद चालू खाते का घाटा सीमित है और देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 700 अरब डॉलर के आसपास मजबूत बना हुआ है।

वैश्विक रेटिंग एजेंसियों ने भारत की आर्थिक स्थिति को सुधारों की निरंतरता और राजकोषीय-मौद्रिक नीति के बेहतर समन्वय का परिणाम बताया है। इसी के चलते चालू वित्त वर्ष में भारत की विदेशी ऋण साख में सुधार किया गया है। भारत वर्तमान में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंचने की ओर अग्रसर है। विनिर्माण और सेवा क्षेत्र की मजबूती का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दोनों क्षेत्रों के पी.एम.आई. सूचकांक 50 से ऊपर बने हुए हैं।

बिग बॉस 19 के विनर गौरव खन्ना की पत्नी डांस की वजह से हुईं ट्रोल, गौरव ने पत्नी आकांक्षा चमोला का बचाव किया

बिग बॉस 19 के विनर गौरव खन्ना की पत्नी आकांक्षा चमोला को हाल ही में एक पार्टी में डांस करते हुए उनके वीडियो के वायरल होने के बाद ऑनलाइन ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। इस घटना पर सोशल मीडिया पर काफी कमेंट्स आए, जिसके बाद खन्ना को इस विवाद पर सफाई देनी पड़ी। वीडियो में चमोला एक सेलिब्रेशन इवेंट में डांस करती हुई दिखीं, जिसे ऑनलाइन सर्कुलेट किया गया और कई यूजर्स ने इस पर नेगेटिव कमेंट्स किए।

ट्रोलिंग चमोला के पार्टी में शामिल होने पर केंद्रित थी, जिसमें ऑनलाइन यूजर्स उनके बर्ताव पर सवाल उठा रहे थे। इसी संदर्भ में, गौरव खन्ना ने स्थिति साफ करने और अपनी पत्नी का बचाव करने के लिए आगे आए। सोशल मीडिया पर कई कमेंट्स में चमोला के डांस मूव्स की आलोचना की गई और सवाल उठाया गया कि क्या उनका व्यवहार उस मौके के लिए सही था।

कुछ यूजर्स ने पर्सनल कमेंट्स किए, जिससे विवाद और बढ़ गया। हालांकि, कुछ लोग सपोर्ट में भी थे, जिन्हें लगा कि आलोचना बेवजह है और चमोला दोस्तों और परिवार के साथ एक खुशी के पल का आनंद ले रही थीं। हंगामास्टूडियो के साथ एक इंटरव्यू में, गौरव ने इस विवाद पर बात की और कहा, 'सबसे पहले, मैं सभी को बताना चाहता हूं कि जिन लड़कियों के साथ आकांक्षा डांस कर रही थीं, वे मेरी पब्लिसिस्ट की टीम मेंबर्स थीं, जिन्होंने बिग बॉस 19 के घर में मेरे रहने के दौरान बहुत मेहनत की थी। यह उनकी सक्सेस पार्टी थी, और हम उनके सेलिब्रेशन का हिस्सा बनने के लिए वहां गए थे। और क्योंकि मुझे ज्यादा डांस करना पसंद नहीं है, इसलिए मेरी पत्नी आकांक्षा को लगा कि उन्हें उनके साथ शामिल होना चाहिए और उस पल को और खास बनाना चाहिए, क्योंकि यह सबकी जीत थी।'

उन्होंने आगे कहा 'उनमें से बहुत से लोग यह भी नहीं जानते कि वह किसके साथ डांस कर रही थी। मैं बस पीछे खड़ा था और उसे एन्जॉय करने दिया क्योंकि आखिरकार यह मेरी टीम की जीत थी। वे ऐसे लोग थे जिन्होंने मेरी गैरमौजूदगी में मेरे लिए कड़ी मेहनत की थी और वे भी एन्जॉय करने के हकदार हैं। जहां तक ट्रोलर्स की बात है, तो मुझे उनसे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि मैं समझता हूं कि वे किसी और के फैन हैं। वे भी किसी एजेंडा के साथ काम करते हैं जो इस कपल को नीचे गिराएगा। ताकि हमारा पसंदीदा सेलिब्रिटी बेहतर दिखे।

गौरव ने ऑनलाइन ट्रोलिंग को खारिज करते हुए कहा कि वह सोशल मीडिया यूजर्स की बातों पर ध्यान नहीं देते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी पत्नी एक एक्सट्रोवर्ट हैं, जो उन्हें उनकी यह बात बहुत पसंद है और वह उनसे बहुत प्यार करते हैं। कुछ समय तक डेटिंग करने के बाद, गौरव और आकांक्षा ने 24 नवंबर, 2016 को अपने होमटाउन कानपुर में तीन दिन के शानदार शादी समारोह में शादी कर ली।

'किस किसको प्यार करूं 2' का बॉक्स ऑफिस पर दम घुटने का दर्दः कपिल शर्मा ने 'धुरंधर' पर मढ़ा हार का ठीकरा

लंबे समय के बाद कॉमेडियन कपिल शर्मा की फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। दो हफ्ते में फिल्म ने सिर्फ 12 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। लेकिन अब बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म गायब हो गई है। इस फिल्म में पत्नी गिन्नी का भी कैमियो दिखाया गया है। दरअसल, 2015 में इस फिल्म का पहला पार्ट आया था, जिसने 49 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। अब कपिल शर्मा ने फिल्म को लेकर चुप्पी तोड़ी है। एक्टर-कॉमेडियन ने सीक्वल के खराब परफॉर्मेंस की वजह रणवीर सिंह की 'धुरंधर' के कारण मिली लिमिटेड स्क्रीन्स को बताया है। इस समय रणवीर सिंह की 'धुरंधर', जो 5 दिसंबर को रिलीज हुई थी और इसने 22 दिन में 1000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। इस फिल्म की कहानी- किरदार-गाने सबने दिल जीत लिया है, अभी इस फिल्म का दबदबा कायम हैं। इसके सामने कोई भी फिल्म टिक नहीं पा रही है।

हाल ही में कपिल शर्मा की टीम ने बयान जारी किया है और कहा है कि फिल्म के मल्टीप्लेक्स में सीमित स्क्रीन उपलब्ध होने के कारण इसके थिएट्रिकल रन पर असर पड़ा है। कपिल शर्मा अपनी लोकप्रिय फिल्म के सीक्वल के साथ दर्शकों को नॉस्टैल्जिया में ले जाना चाहते थे। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स, दोनों से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला। हालांकि दूसरी फिल्मे के कारण लिमिटेड स्क्रीन मिलने के कारण इसके थिएट्रिकल रन पर काफी असर पड़ा। इन चुनौतियों बावजूद, इस फिल्म ने अपनी कॉमेडी से दर्शकों को हंसाने और उनको एंटरटेन किया।'

ऐसे में कहा जा रहा है कि मेकर्स इस मूवी को जनवरी 2026 में फिर से रिलीज करने की घोषणा की है। 'किस किसको प्यार करूं 2' में कपिल फिर से 4 शादियों को सम्भालते हुए दिखाई देंगे। लेकिन इसकी डेट नहीं बताई गई है। अब जल्द ही थिएटर्स में री-रिलीज होगी 'किस किसको प्यार करूं 2'। बता दें कि, इस फिल्म के डायरेक्टर अनुकल्प गोस्वामी हैं। 'किस किसको प्यार करूं 2' में मनजोत सिंह, हीरा वारिना, त्रिधा चौधरी, पारुल गुलाटी और आयशा खान मुख्य रोल में हैं।

इस फिल्म की कलेक्शन की बात करें, तो सैकनिल्क के मुताबिक, भारत में इसकी कुल कमाई (नेट कलेक्शन) 13वें दिन तक 11.89 करोड़ हुई है। इसके अलावा, ग्रॉस कलेक्शन 14 करोड़ रुपये है।

सनातन धर्म ही इहलोक व पारलौकिक कल्याण का साधन - स्वामी कृष्ण दास जी महाराज

सामाजिक समरसता समृद्ध एवं सशक्त राष्ट्र की आधारशिला - डॉ जी एस तोमर

- सुसंस्कार ही संस्कृति के सच्चे वाहक - स्वामी घनश्याम दास जी महाराज
- अपनी संस्कृति पर गर्व करें व स्वदेशी अपनाएँ - प्रमोद कुमार पाण्डेय

त्रिवेणीपुरम् स्थित दुर्गा पूजा पार्क में आज हिन्दू समारोह का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें स्वामी कृष्ण दास जी महाराज, स्वामी घनश्याम दास जी महाराज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सके सम्पर्क प्रमुख डॉ प्रमोद कुमार पाण्डेय, आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ जी एस तोमर एवं विपणन अधिकारी ओम प्रकाश जी उपस्थित रहे। दिन भर चले इस आयोजन का प्रारम्भ हृदय नारायण शुक्ला के सहयोग से सुन्दर काण्ड के पाठ के साथ हुआ। इसके बाद संकटमोचन पार्क स्थित मंदिर की साधिकाओं द्वारा भजन कीर्तन हुए। इसके उपरान्त माँ भारती एवं शिवाजी महाराज के चित्रों पर पुष्पांजलि व दीप प्रज्ज्वलन कर बोद्धिक सत्र का आयोजन हुआ। इस अवसर पर स्वामी कृष्ण दास जी महाराज ने अपने जोश पूर्ण उद्बोधन में हिन्दू समाज को एकजुट होने एवं सनातन संस्कृति को संरक्षित करने का आह्वान किया। स्वामी घनश्याम दास जी महाराज ने संस्कारवान संतति को सनातन संस्कृति के संरक्षण के लिए आवश्यक बताया। आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ जी एस तोमर ने विकसित भारत के निर्माण के लिए पंच परिवर्तन को अत्यावश्यक बताया। उन्होंने सामाजिक समरसता को समृद्ध एवं सशक्त राष्ट्र की आधारशिला बताते हुए कुटुम्ब प्रबोधन को संस्कारवान समाज के निर्माण का

साधन बताया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की चिंता से स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत का निर्माण हो सकेगा। डॉ तोमर ने स्व का भान याद दिलाते हुए स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग करने पर बल दिया एवं नागरिक कर्तव्यों को अपने जीवन में उतारने की सलाह दी। अपने संबोधन में संघ के सम्पर्क प्रमुख डॉ प्रमोद कुमार पाण्डेय ने एकता की शक्ति एवं विघटन की कमजोरी को स्पष्ट करते हुए सामाजिक सौहार्द पर बल दिया। उन्होंने छोटे बड़े, ऊँचे नीचे आदि का भेदभाव भुलाकर एकजुट रहने को ही विकास की कुंजी बताया। विपणन अधिकारी ने भारत भूमि की प्रशंसा करते हुए इसी मिट्टी में शिवाजी एवं भगत सिंह जैसे अमर शहीदों को जन्म दिया है। इस अवसर पर वन्दे मातरम् एवं भारत माता की आरती भी की गई। कार्यक्रम में प्रो रमेश मिश्रा, लल्लन सिंह, ए के सिंह, हृदय नारायण शुक्ला, सुदर्शन आयुर्वेद केंद्र के राजेन्द्र सिंह, संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक अशोक मिश्रा, डॉ दीपक, संतोष, कौशल, मनीष, पवन आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन संजय कुमार गुप्ता ने किया।

उत्तर भारत में घने कोहरा का असरः ट्रेन और फ्लाइट की सेवाएं बुरी तरह प्रभावित, यात्रियों को बढ़ी मुश्किलें

नई दिल्ली। उत्तर भारत के कई शहरों में एक बार फिर घने कोहरे और खराब मौसम ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। खासकर इसका ज्यादा बड़ा प्रभाव यातयात सेवा पर पड़ रहा है। कम दिखाई देने की वजह से रेल और हवाई यातायात दोनों बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। कई ट्रेनें अपने तय समय से घंटों देरी से चल रही हैं, जबकि कुछ के रास्ते बदल दिए गए हैं। वहीं, दिल्ली समेत कई शहरों में फ्लाइट्स भी देर से उड़ान भर रही हैं या रद्द होने की आशंका है।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, उत्तर भारत में घने कोहरे के कारण अब तक चार दर्जन से ज्यादा ट्रेनें अपने निर्धारित समय से देरी से चल रही हैं। कोहरे के चलते ट्रेनों की रफ्तार कम रखी जा रही है, जिससे यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है।

कौन-कौन सी ट्रेन हुई प्रभावित

बता दें कि घने कोहरे के चलते प्रमुख ट्रेनों में प्रयागराज एक्सप्रेस करीब 5 घंटे, रीवा-आनंद विहार एक्सप्रेस लगभग 9 घंटे, नई दिल्ली तेजस राजधानी एक्सप्रेस 4 घंटे, ब्रह्मपुत्र मेल लगभग 45 मिनट, जबकि महाबोधि और संपर्ण क्रांति एक्सप्रेस 4 से 5 घंटे लेट हैं। इसके अलावा कई मेल और एक्सप्रेस ट्रेनें भी घंटों देरी से अपने गंतव्य पर पहुंच रही हैं।

फ्लाइट्स पर भी पड़ा असर

इतना ही नहीं खराब मौसम का असर हवाई यातायात पर भी साफ दिख रहा है। स्पाइसजेट, एअर इंडिया और इंडिगो जैसी एयरलाइंस ने यात्रियों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। दिल्ली एयरपोर्ट प्रशासन ने भी चेतावनी दी है कि कम विजिबिलिटी के कारण उड़ानों के समय में बदलाव हो सकता है। दिल्ली एयरपोर्ट पर इस समय दस से ज्यादा फ्लाइट्स देरी से संचालित हो रही हैं।

इससे जुड़ी कनेक्टिंग फ्लाइट्स पर भी असर पड़ सकता है। हालांकि एयरलाइंस और रेलवे दोनों ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा पर निकलने से पहले फ्लाइट और ट्रेन का स्टेटस जरूर जांच लें। ट्रेन यात्री ऊएँ ऐप और हवाई यात्री एयरलाइंस की वेबसाइट या ऐप से ताजा जानकारी ले सकते हैं।

कई शहरों में बिगड़ा हाल

गौरतलब है कि कोहरे का असर सिर्फ दिल्ली तक सीमित नहीं है। अमृतसर, जम्मू, अयोध्या, गोरखपुर, वाराणसी, चंडीगढ़, पटना, दरभंगा, हिंडन, रांची, गुवाहाटी और बागडोगरा जैसे शहरों में भी उड़ानों और ट्रेनों पर असर देखा जा रहा है। वहीं मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर भारत में अगले कुछ दिनों तक कोहरा बना रह सकता है। ऐसे में यात्रियों को और परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

दुनिया में मची हलचल, कम स्पर्म काउंट वालों में मौत का खतरा ज्यादा : स्टडी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अब तक पुरुषों की प्रजनन क्षमता या फर्टिलिटी को केवल पिता बनने की काबिलियत से जोड़कर देखा जाता था लेकिन अमेरिका के यूटा विश्वविद्यालय द्वारा की गई एक नई और विशाल स्टडी ने विज्ञान की दुनिया में हलचल मचा दी है। इस शोध के अनुसार पुरुषों के स्पर्म (शुक्राणु) की गुणवत्ता केवल उनकी फर्टिलिटी का पैमाना नहीं है बल्कि यह उनके पूरे परिवार की सेहत और 'लाइफ एक्सपेक्टेंसी' (जीवन प्रत्याशा) का एक बड़ा संकेत हो सकता है।

यह शोध यूटा पॉपुलेशन डेटाबेस के माध्यम से किया गया जिसमें 1996 से 2017 के बीच स्पर्म टेस्ट कराने वाले पुरुषों और उनके तीन पीढ़ियों के लगभग 6.6 लाख रिश्तेदारों के डेटा का विश्लेषण किया गया। रिसर्चर्स ने पुरुषों को तीन श्रेणियों में बांटकर अध्ययन किया।

रिसर्च के नतीजे बताते हैं कि जिन पुरुषों का स्पर्म काउंट कम था उनके नजदीकी रिश्तेदारों (माता-पिता, भाई-बहन और बच्चे) में समय से पहले मौत का जोखिम उन परिवारों की तुलना में अधिक पाया गया जिनके पुरुषों का स्पर्म काउंट सामान्य था।

स्टडी के अनुसार इस खतरे का असर उम्र के अलग-अलग पड़ाव पर अलग दिखा। न्यूरोलॉजिकल (दिमाग से जुड़ी) और जन्मजात बीमारियों के कारण मृत्यु दर का जोखिम थोड़ा अधिक पाया गया। लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों जैसे डायबिटीज, चोटों और मेटाबॉलिक सिंड्रोम के कारण स्वास्थ्य बिगड़ने का खतरा ज्यादा दिखा।

देहरादून में 'चीनी' कहकर छात्र को चाकुओं से गोदा, इलाज के दौरान मौत, पूर्वोत्तर में उबाल

देहरादून **(एजेंसी)**। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। त्रिपुरा के 24 वर्षीय एमबीए छात्र एंजेल चकमा की नस्लीय हमले में घायल होने के दो हफ्ते बाद मौत हो गई। इस घटना ने उत्तर-पूर्व भारत के राज्यों में भारी आक्रोश पैदा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने अब तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

यह घटना 9 दिसंबर की शाम देहरादून के सेलाकुई इलाके के एक स्थानीय बाजार में हुई। एंजेल चकमा और उनका छोटा भाई माइकल चकमा बाजार गए थे, तभी बदमाशों के एक गुट ने उन पर नस्लीय टिप्पणियां शुरू कर दीं। हमलावरों ने उन्हें बार-बार 'चीनी' कहकर चिढ़ाया।

एंजेल के भाई माइकल के अनुसार, एंजेल ने हमलावरों को मजबूती से जवाब देते हुए कहा था, 'हम चीनी नहीं, भारतीय हैं। हमें यह साबित करने के लिए कौन सा सर्टिफिकेट दिखाना होगा?' इस बहस के बाद बदमाशों ने चाकू और अन्य धारदार हथियारों से दोनों भाइयों पर जानलेवा हमला कर दिया। एंजेल चकमा को गंभीर हालत में ग्राफिक एरा अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां 17 दिनों तक जिंदगी की जंग लड़ने के बाद शुक्रवार (26 दिसंबर) को उन्होंने दम तोड़ दिया। उनकी मौत के बाद पुलिस ने मामले में हत्या की धाराएं जोड़ दी हैं।

एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और चश्मदीदों के आधार पर अब तक पांच आरोपियों को पकड़ा है। गिरफ्तार आरोपियों अविनाश नेगी, सूरज खवास और सुमित को जेल भेज दिया गया है। दो आरोपी नाबालिग है, इसलिए उन्हें सुधार गृह भेजा गया है।

पुलिस ने बताया, एक मुख्य आरोपी, जो नेपाल का रहने वाला है, फिलहाल फरार है। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी पर 25, 000 रुपये का इनाम घोषित किया है। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बात की है।

ताइवान के तट पर 6.6 तीव्रता का भूकंप, बड़े नुकसान की सूचना नहीं

ताइपे **(एजेंसी)**। ताइवान के उत्तर-पूर्वी तट के पास शनिवार रात 6.6 तीव्रता का भूकंप आया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने यह जानकारी दी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप के झटके स्थानीय समयानुसार रात 11:05 बजे महसूस किए गए।

उसने बताया कि भूकंप का केंद्र तटीय शहर यिलान से 32 किलोमीटर दूर 70 किलोमीटर की गहराई में था और इसके झटके राजधानी ताइपे सहित पूरे द्वीप पर महसूस किए गए।

हालांकि, भूकंप के कारण फिलहाल जानमाल के किसी बड़े नुकसान की कोई सूचना नहीं है। यिलान काउंटी के एक निवासी ने बताया कि कैसे इमारत तेजी से हिलने लगी। उन्होंने कहा, 'यह कुछ देर तक हिलती रही। फिर मैं बाहर भागा, लेकिन ज्यादातर लोग बाहर नहीं भागे। मैं बहुत डरा हुआ था।' ताइवान के राष्ट्रपति विलियम लाई चिंग-ते ने एक सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लोगों से भूकंप के बाद के संभावित झटकों के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया।

बांग्लादेश में चुनाव से पहले बिखरी एनसीपी, छात्र पार्टी में रातों रात बगावत! दो बड़े चेहरों ने छोड़ा साथ

ढाका **(एजेंसी)**। बांग्लादेश में फरवरी में होने वाले चुनाव से पहले जमात-ए-इस्लामी के साथ प्रस्तावित गठबंधन को लेकर छात्रों के नेतृत्व वाली नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) में रातों रात आंतरिक फूट उभर आई। दरअसल, पार्टी के 30 नेताओं ने इस योजना का विरोध करते हुए एक संयुक्त पत्र जारी किया है जबकि दो वरिष्ठ सदस्यों ने अपने इस्तीफे की घोषणा कर दी है। एनसीपी, स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन (एसएडी) का एक बड़ा राजनीतिक धड़ा है। एसएडी ने पिछले वर्ष हुए हिंसक आंदोलन का नेतृत्व किया था, जिसे 'जुलाई विद्रोह' कहा जाता है।

इस आंदोलन के परिणामस्वरूप तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार सत्ता से बाहर हो गई थी। एनसीपी फरवरी में अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस के समर्थन से एक राजनीतिक दल के रूप में उभरी। ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वाले पहले व्यक्ति और एनसीपी के संयुक्त सदस्य-सचिव मुशफिक उस सलीहीन ने शनिवार रात पत्रकारों को बताया कि उन्होंने ''जुलाई विद्रोह की जवाबदेही और पार्टी मूल्यों के संदर्भ में संभावित गठबंधन पर सैद्धांतिक आपत्तियां'' शीर्षक वाला ज्ञापन पार्टी संयोजक नाहिद इस्लाम को भेज दिया है। ज्ञापन में जमात के साथ गठबंधन को लेकर गंभीर चिंताएं जताई गई हैं और कहा गया है कि यह पार्टी की घोषित विचारधारा, 'जुलाई विद्रोह' पर उसके रुख और लोकतांत्रिक नैतिकता के विपरीत है।

इसमें जमात के विवादास्पद

राजनीतिक इतिहास की ओर भी इशारा किया गया है, विशेष रूप से बांग्लादेश की स्वतंत्रता के विरुद्ध उसकी भूमिका तथा 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान नरसंहार और अपराध में कथित सहयोग की ओर इशारा किया गया है। ज्ञापन में कहा गया है कि ये बातें बांग्लादेश की लोकतांत्रिक भावना और एनसीपी के मूल मूल्यों से मेल नहीं खाती। ज्ञापन में यह चेतावनी दी गई है कि जमात के साथ प्रस्तावित गठबंधन एनसीपी की राजनीतिक विश्वसनीयता और जनता के विश्वास को कमजोर करेगा, जिससे ''हमारे कई कार्यकर्ताओं और समर्थकों, विशेषकर युवा पीढ़ी और नयी राजनीति का समर्थन करने वाले आम नागरिकों'' में भ्रम और निराशा पैदा होगी। यह ज्ञापन उस समय सार्वजनिक हुआ जब ण्झ की वरिष्ठ संयुक्त सदस्य-सचिव तसनीम जारा ने शनिवार शाम अपने पद से इस्तीफा दे दिया और घोषणा की कि वह राजधानी ढाका की एक संसदीय सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगी।

जारा ने फेसबुक पोस्ट में कहा, ''वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए मैंने किसी भी विशेष पार्टी या गठबंधन के उम्मीदवार के रूप में चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय लिया है।'' हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि उनका इस्तीफा जमात के साथ प्रस्तावित गठबंधन से जुड़ा है या नहीं, लेकिन अखबारों की खबरों में कहा गया है कि उनके पति और पार्टी के संयुक्त संयोजक खालिद सैफुल्लाह ने भी संगठन छोड़ दिया है। अखबार 'इत्तेफाक' ने शनिवार को बताया था कि एनसीपी की अधिकतर महिला नेता जैसे वरिष्ठ संयुक्त संयोजक समता शरमिन, वरिष्ठ सदस्य-सचिव नाहिद सरवार नीवा, संयुक्त संयोजक तजनुवा जाबिन और संयुक्त सदस्य-सचिव नुसरत तबस्सुम जमात या किसी भी धर्म-आधारित पार्टी के साथ गठबंधन के खिलाफ हैं और उन्होंने पार्टी के सामने अपनी आपत्तियां दर्ज कराई हैं। हालांकि, ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वालों में अधिकतर एनसीपी के पुरुष सदस्य हैं।

म्यांमार चुनाव 2025 : लोकतंत्र का दिखावा? बंदूकों के साये में हो रहे मतदान पर उठा सवाल

नाएप्यीडॉ **(एजेंसी)**। म्यांमार में सैन्य तख्तापलट के पांच साल बाद रविवार को कड़ी सुरक्षा और पाबंदियों के बीच मतदान शुरू हुआ। जहां सत्ताधारी सैन्य जुंटा इसे 'लोकतंत्र की वापसी' बता रहा है, वहीं विपक्षी दलों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इसे एक 'दिखावा' करार दिया है।

देश की सबसे बड़ी नागरिक नेता आंग सान सू की अभी भी 27 साल की सजा काट रही हैं। उनकी पार्टी को भंग कर दिया गया है और वह इस चुनाव का हिस्सा नहीं है।

2020 के चुनावों में जहां लंबी कतारें लगी थीं, वहीं इस बार मतदान केंद्रों पर सन्नाटा पसरा रहा। यांगून और मांडले जैसे बड़े शहरों में वोटरों से ज्यादा सुरक्षाकर्मी और पत्रकार नजर आए।

देश गृह युद्ध की चपेट में है। विद्रोही समूहों के कब्जे वाले इलाकों में मतदान नहीं हो रहा है। सेना ने खुद माना है कि निचले सदन की लगभग 20इ सीटों पर चुनाव कराना संभव नहीं है। संयुक्त राष्ट्र और पश्चिमी देशों ने इस चुनावी प्रक्रिया की कड़ी निंदा की है। मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क के अनुसार, यह चुनाव 'हिंसा और दमन' के माहौल में हो रहा है। जुंटा सरकार ने चुनाव का विरोध करने या आलोचना करने के आरोप में 200 से अधिक लोगों पर मुकदमा चलाया है।

यांगून के एक केंद्र पर वोट देने पहुंचे 63 वर्षीय बो सॉ ने कहा,

'हमारी पहली प्राथमिकता शांति और सुरक्षा बहाल करना होनी चाहिए।'

वहीं, जंगलों में छिपे विद्रोही समूहों और विस्थापित लोगों में भारी गुस्सा है। हवाई हमलों से बचकर भाग रही 40 वर्षीय मो मो म्यिंट ने कहा, 'जब इस सेना ने हमारी जिंदगी बर्बाद कर दी है, तो हम उनके चुनाव का समर्थन कैसे कर सकते हैं? यह चुनाव कभी निष्पक्ष नहीं हो सकता।'

विशेषज्ञों का मानना है कि यह चुनाव सैन्य समर्थक 'यूनियन सॉलिडेरिटी एंड डेवलपमेंट पार्टी' को सत्ता दिलाने का एक जरिया है। इसे 'मार्शल लॉ' को नया रूप देने की कोशिश कहा जा रहा है। सैन्य प्रमुख मिन आंग हलिंग ने इसे सुलह का रास्ता बताया है, लेकिन विपक्षी गुटों ने साफ कर दिया है कि वे अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत 'बेहद गंभीर': चिकित्सक

ढाका **(एजेंसी)**। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री एवं बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष खालिदा जिया की हालत 'बेहद नाजुक' बनी हुई है। उनके निजी चिकित्सक ने यह जानकारी दी। कई स्वास्थ्य जटिलताओं से जूझ रही 80 वर्षीय खालिदा जिया 23 नवंबर से ढाका के 'एवरकेयर' अस्पताल में उपचाराधीन हैं और उन्हें 11 दिसंबर को वेंटिलेटर पर रखा गया था। डॉ. ए.जेड.एम. जाहिद ने शनिवार को मध्यरात्रि के बाद एवरकेयर अस्पताल के बाहर बिना पूर्व सूचना के आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'यह नहीं कहा जा सकता कि उनकी हालत में सुधार हुआ है। फिलहाल उनकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है।'' समाचार पोर्टल बीडीन्यूज24डॉटकॉम की खबर के अनुसार, डॉ. जाहिद ने देशवासियों से खालिदा जिया के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना करने की अपील भी की। उन्होंने कहा, 'अगर अल्लाह की रहमत से वह इस नाजुक दौर से बाहर निकल जाती हैं, तो हमें कुछ सकारात्मक खबर सुनने को मिल सकती है।'

पार्टी सदस्यों के मुताबिक, खालिदा जिया के बेटे एवं बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान ने अस्पताल में दो घंटे से अधिक समय बिताया और आधी रात के आसपास रवाना हुए। स्थानीय और विदेशी दोनों चिकित्सक उनकी देखभाल में लगे हैं। उनकी बहू डॉ. जुबैदा रहमान भी उपचार प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं।

ग्लैमर से विद्रोह तक बार्डो युग का अंत मशहूर अभिनेत्री ब्रिजिट का 91 की उम्र में निधन

पेरिस **(एजेंसी)**। फ्रांस की दिग्गज अभिनेत्री, 1960 के दशक की अंतरराष्ट्रीय सेक्स सिंबल और बाद में उग्र पशु-अधिकार कार्यकर्ता बनीं ब्रिजिट बार्डो का 91 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह दक्षिणी फ्रांस स्थित अपने घर में मृत पाई गईं। उनके निधन की पुष्टि ब्रिजिट बार्डो फाउंडेशन ने की है। मौत के कारण का खुलासा नहीं किया गया है। ब्रिजिट बार्डो ने 1956 में आई फिल्म 'एंड गॉड क्रिएटेड वुमन' से वैश्विक ख्याति प्राप्त की। फिल्म में उनके बोल्ड दृश्य और विद्रोही अंदाज़ ने उस दौर की सामाजिक नैतिकताओं को झकझोर दिया। सुनहरे बाल, आत्मविश्वासी चाल और बिंदास व्यक्तित्व ने उन्हें 20वीं सदी की सबसे प्रभावशाली महिला कलाकारों में शामिल कर दिया।

1969 में बार्डो का चेहरा फ्रांस की राष्ट्रीय प्रतीक 'मैरीएन' के रूप में चुना गया। उनके चेहरे वाली प्रतिमाएं, टिकटें और सिक्के पूरे फ्रांस में दिखाई दिए। हालांकि 39 वर्ष की उम्र में उन्होंने अचानक फिल्मी दुनिया छोड़ दी और खुद को पूरी तरह पशु-अधिकार आंदोलन को समर्पित कर दिया। उन्होंने सील शिकार, पशु परीक्षण, बंदरों को अंतरिक्ष भेजने और पारंपरिक पशु खेलों के खिलाफ वैश्विक स्तर पर आवाज़ उठाई। 1985 में उन्हें फ्रांस का सर्वोच्च

सम्मान लीजन ऑफ ऑनर भी मिला।

लेकिन बाद के वर्षों में उनके अति-दक्षिणपंथी राजनीतिक विचार, मुस्लिम समुदाय और अप्रवासियों पर दिए गए बयानों ने उन्हें विवादों में घेर लिया। नस्लीय घृणा भड़काने के मामलों में उन्हें कई बार सजा भी हुई। क्ष्शऊदद आंदोलन के दौरान दिए गए उनके बयानों ने भी तीखी आलोचना झेली। उन्होंने कहा था कि फिल्म इंडस्ट्री में उत्पीड़न के आरोप 'अतिशयोक्तिपूर्ण' हैं। ब्रिजिट बार्डो का जीवन चमक, संघर्ष, विद्रोह, करुणा और विवादों का अनोखा मिश्रण रहा। वे सिनेमा की दुनिया से भले ही दूर चली गईं, लेकिन इतिहास में हमेशा एक प्रभावशाली और बहस छेड़ने वाली शख्सियत के रूप में याद की जाएंगी।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित। कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)